

जनसंख्या, सामाजिक स्थिति और स्थानीय निकायों में प्रतिनिधित्व पर हुई विस्तृत समीक्षा ओबीसी आरक्षण के आधार तय करने की प्रक्रिया तेज

बैठक

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। स्थानीय निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण को लेकर उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग ने बुधवार को अंबेडकरनगर में समीक्षा बैठक की। सर्किट हाउस सभागार में आयोजित बैठक में आयोग ने जिले में पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या, सामाजिक स्थिति और स्थानीय निकायों में उनके प्रतिनिधित्व से जुड़े आंकड़ों की समीक्षा की। साथ ही जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी लेकर सुझाव भी दर्ज किए।



तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। अध्यक्ष न्यायमूर्ति राम औतार सिंह ने की। आयोग के सदस्यों, जिला प्रशासन, पंचायत विभाग के अधिकारियों, जिला पंचायत सदस्यों, ग्राम पंचायतों के प्रशासकों, बीडीसी सदस्यों और सभी विकास खंडों के अधिकारियों ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में आयोग के सदस्य संतोष कुमार विश्वकर्मा, बृजेश कुमार, एस.पी. सिंह और डॉ. अरविंद कुमार चौरसिया, जिलाधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, जिला पंचायत राज अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, सभी खंड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), जिला पंचायत सदस्य, ग्राम पंचायतों के प्रशासक और बीडीसी सदस्य मौजूद रहे।

आयोग ने कहा कि स्थानीय निकायों में पिछड़ा वर्ग के आरक्षण से जुड़े सभी पहलुओं का निष्पक्ष और तथ्याधारित अध्ययन किया जा रहा है। जनसंख्या, सामाजिक स्थिति, प्रतिनिधित्व और प्राप्त सुझावों के विश्लेषण के बाद आयोग अपनी संस्तुतियां राज्य सरकार को सौंपेगा।

जिले की सामाजिक और जनसंख्या स्थिति पर रहा फोकस बैठक के दौरान आयोग ने जनपद में अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी, सामाजिक स्थिति, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और पिछड़ेपन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। अधिकारियों की ओर से प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार अंबेडकरनगर की कुल जनसंख्या 20,38,840 है। इनमें अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी 11,23,445 है, जो कुल आबादी का करीब 55 प्रतिशत है। अनुसूचित जाति की जनसंख्या 5,44,251 और अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 659 दर्ज की गई। आयोग ने इन आंकड़ों के आधार पर स्थानीय निकायों में पिछड़ा वर्ग की भागीदारी और वर्तमान स्थिति का आकलन किया।

प्रतिनिधित्व और आरक्षण व्यवस्था पर मांगी गई राय

बैठक में आयोग के सदस्यों ने जिला पंचायत सदस्यों, खंड विकास अधिकारियों और अन्य जनप्रतिनिधियों से स्थानीय निकायों में पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व से संबंधित जानकारी प्राप्त की। इस दौरान वर्तमान आरक्षण व्यवस्था को लेकर जनप्रतिनिधियों ने अपने सुझाव भी आयोग के समक्ष रखे। आयोग ने सभी सुझावों को अध्ययन का हिस्सा बनाने की बात कही।

फास्ट न्यूज

नवीन सब्जी मंडी सिझौली में जलभराव से बड़ी परेशानी

अंबेडकरनगर। नवीन सब्जी मंडी सिझौली में जल निकासी की व्यवस्था खराब होने के कारण व्यापारियों, किसानों और ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हल्की बारिश के बाद ही मंडी परिसर में पानी भर गया, जिससे कई स्थानों पर आवागमन प्रभावित हो गया। मंडी में जलभराव के कारण सब्जी विक्रेताओं को दुकान लगाने और ग्राहकों को खरीदारी करने में दिक्कतें हो रही हैं।

नशे में व्यक्ति को आरपीएफ और समाजसेवी ने पहुंचाया अस्पताल

अकबरपुर (अंबेडकरनगर)। अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर नशे की हालत में मिले एक व्यक्ति को आरपीएफ, जीआरपी और समाजसेवी के सहयोग से समय पर उपचार मिल सका। पहचान के बाद सूचना उसके परिवार तक पहुंचाई गई, जिसके बाद परिजन जिला अस्पताल पहुंचकर उसे अपने साथ ले गए। मंगलवार को अकबरपुर रेलवे स्टेशन परिसर में एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा मिला।

जहांगीरगंज में खड़जा मार्ग उखाड़ने की शिकायत

अंबेडकरनगर। विकासखंड जहांगीरगंज की ग्राम पंचायत शंकरपुर वर्गी में करीब 20 वर्ष पुराने खड़जा मार्ग को उखाड़ने का मामला सामने आया है। गांव निवासी शशिकान्त मिश्र ने पूर्व प्रधान समेत अन्य लोगों पर खड़जा मार्ग हटाकर पोच निर्माण करने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता ने मामले में कार्रवाई और मार्ग का दोबारा निर्माण कराने की मांग की है।

एक छत के नीचे मिली पाठ्य पुस्तकों की सुविधा राजेसुल्तानपुर में विद्यार्थियों के लिए सजा पुस्तक मेला

राजेसुल्तानपुर (अंबेडकरनगर)। नए शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों को अधिकृत पाठ्य पुस्तकें आसानी से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से माध्यमिक शिक्षा विभाग ने बुधवार को गांधी स्मारक इंटर कॉलेज, राजेसुल्तानपुर में एक दिवसीय पुस्तक मेला एवं विक्रय शिविर आयोजित किया। मेले में छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी कक्षाओं और विषयों के अनुसार पुस्तकें खरीदीं, जबकि शिक्षकों ने भी पुस्तकों की उपलब्धता और पाठ्यक्रम से उनके सामंजस्य की जांचकारी ली। कार्यक्रम का शुभारंभ नोडल अधिकारी विद्यावती, प्रधानाचार्य डॉ. कप्तान सिंह और वरिष्ठ प्रवक्ता सुभाष चंद्र राम ने किया।



परिसर में उपलब्ध कराना रहा, ताकि उन्हें अलग-अलग स्थानों पर पुस्तकें तलाशने की आवश्यकता न पड़े। मेले में प्रायनियर, सिंगल सहित तीन प्रकाशकों ने अपने स्टॉल लगाए। यहां माध्यमिक कक्षाओं के पाठ्यक्रम से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध रहीं। विद्यार्थियों ने अपनी आवश्यकता के अनुसार पुस्तकें खरीदीं, जबकि शिक्षकों ने भी पुस्तकों की उपलब्धता और पाठ्यक्रम से उनके सामंजस्य की जांचकारी ली। कार्यक्रम का शुभारंभ नोडल अधिकारी विद्यावती, प्रधानाचार्य डॉ. कप्तान सिंह और वरिष्ठ प्रवक्ता सुभाष चंद्र राम ने किया।



बकाया मांग, रिफंड, टीडीएस, पैन-आधार और ई-फाइलिंग समेत कई समस्याओं का एक ही स्थान पर मिलेगा समाधान

आयकर संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई की जाएगी। संबंधित मामलों में आवश्यक दस्तावेजों के साथ पहुंचकर करदाता अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते हैं। आयकर विभाग ने जिले के सभी करदाताओं, कर सलाहकारों, अधिवक्ताओं और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स से निर्धारित अवधि के दौरान शिविर में पहुंचकर लंबित मामलों का निस्तारण कराने की अपील की है।

डीएम की निगरानी में बनेगी समिति, जांच में पकड़े जाने पर शासन को भेजी जाएगी रिपोर्ट सरकारी डॉक्टरों की प्राइवेट प्रैक्टिस पर फिर सख्त एक्शन की तैयारी

- सरकारी अस्पताल से निजी अस्पताल तक, शिकायतों पर फिर बढ़ी सख्ती
- हाईकोर्ट के आदेश के बाद शासन ने बढ़ाई निगरानी



शासन का कहना है कि नियमित सरकारी डॉक्टरों को प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं करने के बदले नॉन प्रैक्टिस भत्ता (एनपीए) भी दिया जाता है। ऐसे में नियमों का पालन अनिवार्य है।

24 साल पुराने आदेश को फिर मिलेगा सख्ती से अमल

सरकारी डॉक्टरों की प्राइवेट प्रैक्टिस पर रोक का आदेश 24 दिसंबर 2002 को जारी किया गया था। समय के साथ जांच अभियान प्रभावी नहीं रह सका। इसके

बाद मुख्य सचिव ने आठ जुलाई को नए निर्देश जारी करते हुए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति बनाकर कार्रवाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं।

नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। यह व्यवस्था संविदा चिकित्सकों पर लागू नहीं होगी। जिले में लंबे समय से सरकारी डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं। आरोप है कि मेडिकल कॉलेज और जिला चिकित्सालय से जुड़े कई डॉक्टर दूसरे लोगों के नाम से पंजीकृत निजी अस्पतालों का संचालन कर रहे हैं।

चर्चा: पौधरोपण के साथ परिसर को पर्यावरण जागरूकता केंद्र बनाने की पहल

लोक विरासत परिसर में पर्यावरण का संकल्प

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। लोक विरासत परिसर में मंगलवार को पर्यावरण संरक्षण को लेकर विचार गोष्ठी और वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जगभारती एनुके-शनल ट्रस्ट के अध्यक्ष कृष्ण कुमार पांडेय सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया। गोष्ठी में पर्यावरण संरक्षण के उपायों और इसमें आम लोगों की भूमिका पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण अभियान को गति देना और लोगों में प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधे नहीं हैं, बल्कि जल, वायु, भूमि और जैव विविधता को सुरक्षित रखने के लिए लगातार प्रयास और सामूहिक भागीदारी जरूरी है। गोष्ठी



के बाद लोक विरासत परिसर में पौधरोपण किया गया लोगों ने पौधे लगाए और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण संरक्षण अभियान से जोड़ने पर जोर दिया गया। साथ ही परिसर में भविष्य में भी वृक्षारोपण, जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने की योजना पर चर्चा हुई। बैठक में लोक विरासत परिसर को पर्यावरण जागरूकता, प्रकृति संरक्षण और जनभा-

प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग पर हुई चर्चा

विचार गोष्ठी में पर्यावरण की व्यापक अवधारणा पर चर्चा हुई। इसमें जल संरक्षण, स्वच्छ वातावरण, भूमि संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग जैसे विषयों पर विचार रखे गए। कार्यक्रम में जगभारती एनुकेशनल ट्रस्ट के अध्यक्ष कृष्ण कुमार पांडेय ने कहा कि बदलते पर्यावरणीय हालात को देखते हुए प्रकृति संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना जरूरी है। इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पर्यावरण प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सत्य प्रकाश पांडेय, त्रिमूर्ति संस्थान के अध्यक्ष आशुतोष पाटक, पास के अध्यक्ष अमरनाथ चौधरी, अन्य लोग मौजूद रहे।

गोदारी के केंद्र के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत समय-समय पर पर्यावरण से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

तीन केंद्रों पर होगी उड़द-मूंग की खरीद किसानों को मिलेगा एमएसपी का लाभ जायद विपणन सत्र 2026-27 के लिए क्रय केंद्रों को मंजूरी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जायद विपणन मौसम 2026-27 के तहत जिले में किसानों से उड़द, मूंग और मूंगफली की खरीद के लिए तीन क्रय केंद्रों को स्वीकृति दी गई है। इन केंद्रों पर किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के आधार पर उपज खरीदी जाएगी। खरीद अभियान 25 जून से शुरू होकर 22 सितंबर 2026 तक संचालित होगा। जिलाधिकारी ईशा प्रिया की ओर से जारी आदेश में बताया गया कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य उपलब्ध कराने के उद्देश्य से क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। पीसीएफ और यूपीसीयू के जिला प्रबंधकों की ओर से दिए गए प्रस्तावों के आधार पर केंद्रों का चयन किया गया है। जिले में स्वीकृत तीन क्रय केंद्रों में बसखारी ब्लॉक का बी-पैक्स



बसखारी नंबर-1, कटेहरी ब्लॉक का बी-पैक्स सुमेरपुर और अकबरपुर क्षेत्र के सिझौली मंडी परिसर स्थित जिला सहकारी सभा अयोध्या शाखा-अकबर-पुर शामिल हैं। इन केंद्रों पर किसानों से मुख्य रूप से उड़द और मूंग की खरीद की जाएगी। खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए निर्धारित निम्न और आवश्यक दस्तावेजों के साथ केंद्रों पर पहुंचना होगा। जिलाधिकारी ने किसानों को खसरा-खतौनी और नाम के सत्यापन के लिए संबंधित उपजिलाधिकारियों को पर्यवेक्षणीय अधिकारी नियुक्त किया है। इसके

साथ ही खरीद प्रक्रिया की निगरानी और व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने पीसीएफ और यूपीसीयू के जिला प्रबंधकों को निर्देश दिया है कि क्रय नीति के अनुसार सभी जरूरी इंतजाम समय से पूरे कर लिए जाएं। इसमें केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं, खरीद व्यवस्था और किसानों के लिए सुगम प्रक्रिया सुनिश्चित करने को कहा गया है। प्रशासन का उद्देश्य है कि जिले के किसान अपनी उड़द और मूंग जैसी जायद फसलों को निर्धारित समर्थन मूल्य पर आसानी से बेच सकें। क्रय केंद्रों के संचालन से किसानों को स्थानीय स्तर पर उपज बिक्री की सुविधा मिलेगी।

अपहरण की सूचना निकली गलत जांच में खुला स्कूल बंद का मामला सीसीटीवी और पृष्ठताछ के आधार पर सामने आया सच

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कोतवाली अकबरपुर क्षेत्र में 15 वर्षीय छात्र के कथित अपहरण की सूचना मंगलवार को चर्चा का विषय बन गई। परिजनों ने छात्र के बेहोशी की हालत में मिलने के बाद अपहरण की आशंका जताई थी। मामले की जांच के बाद पुलिस ने स्पष्ट किया कि छात्र का अपहरण नहीं हुआ था, बल्कि वह दो अन्य साथियों के साथ स्कूल छोड़कर फन पार्क गया था। मामला सुडारी अफजलपुर गांव का है। पुलिस के अनुसार, गीता यादव का पुत्र प्रियांशु यादव सुबह करीब आठ बजे ई-रिक्षा से स्कूल जाने के लिए निकला था, लेकिन स्कूल नहीं पहुंचा। स्कूल प्रशासन से जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। कुछ समय बाद प्रियांशु बसखारी रोड स्थित मोगली फन पार्क के पास बेहोशी की हालत में मिला। इसके



बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली अकबरपुर पुलिस ने जांच शुरू की। इंस्पेक्टर अकबरपुर संतोष कुमार सिंह ने अपना साथ गए पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की और छात्र से पृष्ठताछ की। पृष्ठताछ में प्रियांशु ने अपने साथ गए दो अन्य छात्रों औलियापुर कॉलोनी निवासी प्रतीक पाल और टांडा रोड निवासी रवीश पाल के बारे में जानकारी दी। पुलिस ने दोनों छात्रों से भी पृष्ठताछ की। जांच में सामने आया कि तीनों किशोर उस दिन स्कूल जाने के बजाय मोगली फन पार्क चले गए थे।

‘चर्चा में रहने के लिए लेते हैं अखिलेश यादव का नाम’ सीमा राजभर का ओपी राजभर पर सियासी हमला

- भाजपा के इशारे पर काम करने का लगाया आरोप, सता में आने पर 90 दिन में किसानों का कर्ज माफ करने का देहराया वादा



यह भी आरोप लगाया कि वह राजनीतिक चर्चा में बने रहने के लिए लगातार समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम लेते हैं। मीडिया से बातचीत में सीमा राजभर ने कहा कि ओपी राजभर के हालिया बयान और सोशल मीडिया पोस्ट उनकी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा हैं। उनके मुताबिक, अखिलेश यादव का नाम लेकर वह लगातार सुर्खियों में बने रहने की कोशिश करते हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता ऐसे बयानों को समझ रही है। सपा नेता ने ओपी राजभर पर

राजभर समाज के युवाओं को गुमराह करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि समाज के मुद्दों पर गंभीर पहल करने के बजाय भटकाने वाली राजनीति की जा रही है। हालांकि, उन्होंने अपने आरोपों के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया। सीमा राजभर ने किसानों के मुद्दे पर भी पार्टी का रुख दोहराया। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है तो सरकार बनने के 90 दिनों के भीतर किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करना पार्टी की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत जांच शुरू सड़क पार करते समय हुआ हादसा

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। कोतवाली जलालपुर क्षेत्र में बुधवार सुबह तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत हो गई। हादसा रामगढ़ रोड से पेठिया रोड और अल्लीपुर की ओर जाने वाले मार्ग पर हुआ। घटना के बाद पुलिस और वन विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारों के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 10:45 बजे अल्लीपुर रोड से पेठिया रोड की ओर जाने वाले मार्ग पर एक मोर सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उसे टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शी रितेश के अनुसार, टक्कर इतनी तेज थी कि मोर गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गया। हादसे के बाद बाइक चालक मौके से निकल गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय निवासी और हिंदू आर्मी के



सेक्टर संयोजक व जिला उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र वर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों की मदद से घायल मोर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जलालपुर पहुंचाया। इसके बाद बेहतर उपचार के लिए उसे राजकीय पशु चिकित्सालय एवं कृत्रिम गर्भाधान केंद्र जलालपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मोर को मृत घोषित कर दिया। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. विनोद कुमार यादव ने बताया कि मोर के शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि हो सकेगी।

सम्पादकीय

दिल्ली दंगे के दोषी



वर्ष 2020 में दिल्ली में हुए भीषण दंगों के एक बड़े मामले में आम आदमी पार्टी के पापद रहे ताहिर हुसैन और चार अन्य को इंटरलैजेंस ब्यूरो के कर्मी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में दोषी ठहराया जाना यह भी बताता है कि इस दंगे में नेता भी शामिल थे। यह पहले ही प्रमाणित हो चुका है कि ताहिर हुसैन जैसे नेताओं को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त था। यह एक तथ्य है कि अंकित शर्मा की हत्या में उसका नाम आने पर आम आदमी पार्टी समेत अन्य दलों के नेताओं ने उसका बचाव किया था।

उसका बचाव करने वालों में कई अन्य जाने-माने लोग भी थे। ताहिर हुसैन को दोषी करार दिए जाने से इन सबकी पोल खुल गई है। इन लोगों को बताना चाहिए कि वे किस आधार पर ताहिर हुसैन को निर्दोष होने का प्रमाण पत्र दे रहे थे, क्योंकि उसे दोषी करार देने वाली अदालत ने यह स्पष्ट किया है कि फैसला ठोस साक्ष्यों के आधार पर दिया गया है। यह एक विडंबना ही है कि कुछ नेता अभी भी ताहिर हुसैन के लिए आंसू बहा रहे हैं।

इसे भी रिस्मृत नहीं किया जाना चाहिए कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में असदुद्दीन औवैसी ने उसे चुनाव मैदान में उतारा था। यह भी नहीं भूला जाए कि दिल्ली दंगे उस नागरिकता संशोधन कानून का विरोध करने की आड़ में हुए थे, जिस पर जब अमल किया गया तो विरोध की कोई आवाज नहीं उठी। उन सब नेताओं को शर्मिंदा होना चाहिए, जिन्होंने इस कानून को लेकर देश को गुमराह किया और जिसके चलते दिल्ली में भीषण हिंसा हुई।

दिल्ली दंगों में 50 से अधिक लोग मारे गए थे और यह तब भड़का था, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत की यात्रा पर थे। इस नतीजे पर पहुंचने के अच्छे-भले कारण हैं कि दिल्ली में ट्रंप की उपस्थिति में दंगा करने की साजिश इसलिए भी रची गई थी, ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को मलिन किया जा सके। उचित यह होगा कि ताहिर हुसैन समेत अंकित शर्मा के अन्य हत्यारों को कठोर दंड का भागीदार बनाने के साथ ही उन लोगों को भी बेनकाब किया जाए, जिन्होंने देश को बदनाम करने के लिए राजधानी को दंगों की आग में झोंका। यह भी आवश्यक है कि इन दंगों से जुड़े अन्य मामलों का यथाशीघ्र निपटारा किया जाए, ताकि दोषियों और उनके हितैषियों को सख्त संदेश दिया जा सके। दिल्ली दंगों से जुड़े अभी कई संगीत मामलों का निपटारा होना शेष है। ऐसे मामलों में शीघ्र न्याय देने की कोई व्यवस्था बननी चाहिए, क्योंकि इससे ही दोषियों को सही सबक मिलता है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि दिल्ली दंगों के एक बड़े मामले में फैसला सुना दिया गया, क्योंकि यह कहना कठिन है कि उच्चतर अदालतों की ओर से अपने हिस्से का कार्य निष्पादन कब किया जाएगा?

घर का सस्ता

जैसे हम चाहते हैं हमारा घर साफ सुथरा हो तब हम क्यों नहीं चाहेंगे हमारा दिमाग भी स्वच्छ ,साफ-सुथरा हो। क्योंकि अगर उस पर अगड़म-बगड़म बोझ होगा तो उसे काम करने में दिक्कत होगी। उसे व्यवधान रहित हल्का रखना जरूरी है । वह सर्वोत्तम तरीका प्रार्थमिकताएं तय करनी हैं । इससे दिमाग पर दबाव नहीं पड़ता हैं । वह तब कायदे से सोचा जा सकता है। कहीं अटकता नहीं, उलझता नहीं हैं । हम साफ रास्ते और जाम रास्ते में चलने का फर्क समझते हैं। बस मस्तिष्क की क्रिया में भी स्पष्ट चिन्तन व उलझे विचारों में भी हूबहू वही तर्क है। वह अटकाव तो भटकाव लाता है , साफ-सुथरापन सरपट दौड़ लगाता है। यही अंतर स्पष्ट चिन्तन और बेतरतीब चिन्तन में है । आचार्य श्री तुलसी केवल एक धार्मिक अग्रदूत नहीं थे , वे युगद्रष्टा और युगस्रष्टा दोनों रूपों में उभरें । उन्होंने समय की नब्ज को पहचाना, समाज के विचार - तंतुओं को समझा और नवयुग के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया । नैतिकता और अध्यात्म की दो प्रमुख धाराओं को उन्होंने अपनी तेजस्वी चेतना से आलोकित किया । उनके चिंतन में व्यक्ति और समाज दोनों के लिए परिवर्तन की स्पष्ट दिशा थी । हमारे मन में अगर सदा सकारत्मकता रहती तो वे बेचारी परेशानियों को रास्ता ही नहीं मिलता हैं । वह ये नुस्खे हम करके देखे । हमको अगर परेशानियां रह-रह कर परेशान कर रही है तो हम अपनी उम्मीद की टोकरियां खाली कर दें । वह हमारी परेशानियां नाराज होकर आने का नाम ही नहीं लेंगी। वह मन की चंचलता पर लगाम लगा दीजिए। परेशानियां बेचारी आने का रास्ता ही नहीं ढूँढ पाएंगी । वह बात-बात में हठधर्मी करना हम भूल जाए परेशानियां घर का रास्ता ढूँढती ही रह जाएंगी । वह क्षमाशील बने रहिए। परेशानियां हमारी तरफ झांक ही नहीं पाएंगी । वह सबके सब समय हम सहायक बने रहें । हमारे पास परेशानियां आने से कतराएंगी । वह इसी तरह की और प्रवृति से हम जुड़ते जाए और, और परेशानियों को गुमराह करते जाए । ब्रज्याचार्य तुलसी एक महान परिव्राजक और विलक्षण प्रवचनकार थे ।

> प्रदीप छाजेड़

66

रथयात्रा के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि एक बार सुभद्रा ने द्वारका नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उन्हें अलग रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। उसी स्मृति में तीनों भाई-बहनों की संयुक्त रथयात्रा निकाली जाती है।

विडंबना यह है कि...

मिलावटी सरसों तेल का बढ़ता कारोबार और देश की खाद्य सुरक्षा पर सबसे बड़ा संकट

क्या हमारी थाली में परोसा जा रहा है ज़हर?

भारत को सदियों से कृषि प्रधान देश कहा जाता रहा है। यहां अन्न को भगवान का स्वरूप माना जाता है और भोजन को केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि जीवन, संस्कृति और सभ्यता का आधार समझा जाता है। भारतीय परिवारों में जब भी भोजन परोसा जाता है तो उसमें केवल स्वाद नहीं होता, बल्कि मां की ममता, किसान की मेहनत और प्रकृति का आशीर्वाद भी शामिल होता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में अन्न का अपमान करना पाप माना गया है लेकिन आज यह सोचकर मन विचलित हो उठता है कि जिस भोजन को हम भगवान का प्रसाद समझकर ग्रहण करते हैं, उसी भोजन में यदि मिलावट का जहर घुल जाए तो फिर आम नागरिक किस पर विश्वास करें? यह प्रश्न केवल खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का नहीं है, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन, स्वास्थ्य, आने वाली पीढ़ियों और पूरे राष्ट्र की सुरक्षा का प्रश्न है।

हाल के वर्षों में खाद्य सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न जांचों और सरकारी कार्रवाई में जिस प्रकार खाद्य तेलों, विशेषकर सरसों के तेल, में गुणवत्ता संबंधी खामियां और मिलावट के मामले सामने आए हैं, उन्होंने देश के प्रत्येक परिवार की चिंता बढ़ा दी है। सरसों का तेल उत्तर भारत, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल,



आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारम्भ होकर दस दिनों तक चलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक दर्शन का विराट उत्सव है। पुरी की यह महायात्रा हजारों वर्षों की परम्परा का जीवंत प्रतीक है, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इसी कारण इसे ‘महायात्रा’ कहा जाता है। भारत के चार धामों में प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ धाम की यह यात्रा देश ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनती है। वर्ष 2026 की रथयात्रा भी अपार श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जा रही है, किन्तु इस बार इसके साथ एक नया विवाद भी जुड़ गया है। देश एवं विदेश के अनेक स्थानों पर इस्कॉन द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग तिथियों पर रथयात्राएं आयोजित किए जाने पर कुछ धार्मिक एवं परम्परावादी संगठनों ने आपत्ति व्यक्त की है। उनका मत है कि जगन्नाथ रथयात्रा की तिथि वही होनी चाहिए जो पुरी श्रीमंदिर द्वारा निर्धारित होती है। दूसरी ओर इस्कॉन का तर्क है कि विदेशों में स्थानीय प्रशासन की अनुमति, सार्वजनिक अवकाश, मौसम तथा अन्य व्यावहारिक कारणों से कभी-कभी तिथि में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। यह विवाद केवल तिथि का नहीं, बल्कि परम्परा और वैश्विक विस्तार के बीच संतुलन खोजने का विषय बन गया है। वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं। पुरी का श्रीमंदिर



उत्तर प्रदेश, ओडिशा और देश के अनेक हिस्सों में सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला खाद्य तेल है। करोड़ों परिवार सुबह से लेकर रात तक बनने वाले भोजन में इसी तेल का प्रयोग करते हैं। ऐसे में यदि इसी तेल की शुद्धता पर प्रश्नचिह्न लग जाए तो इसका अर्थ है कि देश की सबसे बड़ी आबादी प्रतिदिन अनजाने में अपने भोजन के साथ बीमारी भी ग्रहण कर रही है।

मिलावट कोई नई समस्या नहीं है। वर्षों से दूध, घी, मसाले, मिठाइयां, दालें और अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट की खबरें आती रही हैं लेकिन जब बात खाने के तेल की आती है तो स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि तेल ऐसा खाद्य पदार्थ है जिसका उपयोग लगभग हर भोजन में होता है। यदि उसमें किसी भी प्रकार की अशुद्धि या मिलावट हो तो उसका प्रभाव शरीर के लगभग प्रत्येक अंग पर पड़ता है। यही कारण है कि चिकित्सा विशेषज्ञ बार-बार चेतावनी देते रहे हैं कि मिलावटी खाद्य तेल धीरे-धीरे शरीर को अंदर से नुकसान पहुंचाता है। यह ऐसा जहर है जो तुरंत दिखाई नहीं देता बल्कि वर्षों तक शरीर में विषैले तत्वों को जमा करता रहता है और जब बीमारी सामने आती है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। इसलिए इसे रधीमा जहरर या रसाइलेट किलरर कहा जाता है।

जरा हटके

प्रदेश सरकार का ...



अभिषेक सिंह

जाम से मिली मुक्ति और विकास को मिली नई रफ्तार

पुलों और ओवरब्रिजों से बदली ललितपुर की तस्वीर

किसी भी प्रदेश की प्रगति उसकी मजबूत आधारभूत संरचना से पहचानी जाती है। बेहतर सड़कें, आधुनिक पुल और सुगम यातायात व्यवस्था केवल आवागमन को आसान ही नहीं बनाती, बल्कि व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान करती हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेशभर में आधुनिक एवं सुरक्षित सड़क अवसंरचना के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में जनपद ललितपुर में पुलों एवं रेलवे ओवरब्रिजों के निर्माण ने वर्षों पुरानी यातायात समस्याओं का समाधान

करते हुए विकास की एक नई इबारत लिखी है। आज जिन मार्गों पर कभी घंटों जाम, जलभराव और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता था, वहीं अब लोगों को सुरक्षित, तेज और निर्बाध आवागमन की सुविधा मिल रही है। लंबे समय तक ललितपुर शहर के अनेक प्रमुख मार्ग संकरे पुलों, रेलवे फाटकों और बरसात के दौरान जलभराव जैसी समस्याओं से प्रभावित रहे। आम नागरिकों, विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों, मरीजों और दैनिक यात्रियों को प्रतिदिन भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कई बार लोगों का महत्वपूर्ण समय जाम में ही बीत जाता था, जिससे आर्थिक गतिविधियां भी

प्रभावित होती थीं। आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों और एम्बुलेंस को भी समय पर अस्पताल पहुंचने में परेशानी होती थी। इन चुनौतियों को देखते हुए प्रदेश सरकार ने शहर की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक पुलों और रेलवे ओवरब्रिजों के निर्माण को प्राथमिकता देते हुए निर्माण कराया है।

व्यानमाला पुल बना सुगम यातायात का नया आधार ललितपुर शहर के प्रमुख मार्ग पर स्थित व्यानमाला का पुराना पुल लंबे समय से लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ था। पुल इतना संकरा था कि दो बड़े वाहनों का एक साथ निकलना संभव नहीं हो पाता था, जिसके कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती थी। वर्ष 2022 में इस पुल के चौड़ीकरण और पुनर्निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया। अब आधुनिक तकनीक से निर्मित नया पुल अधिक चौड़ा, मजबूत और सुरक्षित बन चुका है। दोनों दिशाओं में वाहनों का आवागमन बिना किसी बाधा के हो रहा है तथा वर्षा ऋतु में भी यातायात सामान्य बना रहता है। इससे हजारों लोगों का समय बच रहा है और शहर की यातायात व्यवस्था पहले की अपेक्षा कहीं अधिक सुचारु हो गई है। कैलगुवां चौराहे के निकट रेलवे फाटक लंबे समय तक जाम और दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बना रहा। फाटक बंद होने पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती थीं, जिससे यात्रियों को काफी समय तक प्रतीक्षा करना पड़ती थी। रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण के बाद अब वाहनों का आवागमन पूरी तरह निर्बाध हो गया है। लोगों का बहुमुल्य समय बच रहा है, सड़क सुरक्षा में सुधार हुआ है तथा दुर्घटनाओं की संभावनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। यह परियोजना आधुनिक आधारभूत संरचना के माध्यम से जनसुविधा बढ़ाने का प्रभावी उदाहरण बनकर सामने आई है। शहर में शहजद नदी पर स्थित ब्रिटिश कालीन पुल वर्षों से अपनी सीमित क्षमता के कारण लोगों को जर्जरतों को पूरा नहीं कर पा रहा था। संकरा होने

के साथ-साथ बरसात के दिनों में जलभराव के कारण कई बार आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता था। प्रदेश सरकार द्वारा यहां आधुनिक और अधिक क्षमता वाले नए पुल का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। इसके पूर्ण होने के बाद नागरिकों को वर्षभर सुरक्षित और निर्बाध यातायात की सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। बानपुर, टीकमगढ़ और महरोनी क्षेत्र से आने-जाने वाले हजारों लोगों के लिए खिरकापुरा का पुराना पुल वर्षों तक बड़ी चुनौती बना रहा। पुल संकरा और नीचा होने के कारण विशेषकर बरसात में यातायात बाधित हो जाता था और लोगों को कई किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती थी। नए पुल के निर्माण के बाद डबरी क्षेत्र का संपर्क अधिक सुदृढ़ हुआ है। किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में सुविधा मिली है, विद्यार्थियों को आवाजाही

आसान हुई है और स्थानीय लोगों का समय तथा परिवहन व्यय कम हुए हैं। देवगढ़ मार्ग पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर प्रतिदिन हजारों लोगों को रेलवे फाटक खुलने की प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। लगभग 30 हजार की आबादी तथा 50 से अधिक गांवों के लोग इस समस्या से प्रभावित थे। दिल्ली-मुंबई रेलमार्ग पर ट्रेनों की अधिक आवाजाही के कारण जाम की स्थिति और गंभीर हो जाती थी। रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण के बाद अब लोगों को बिना रुके सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल रही है। इससे न केवल यातायात व्यवस्था में सुधार हुआ है, बल्कि व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और ग्रामीण-शहरी संपर्क को भी नई गति मिली है। ललितपुर में निर्मित पुलों और रेलवे ओवरब्रिजों ने केवल आवागमन को ही आसान नहीं बनाया, बल्कि विकास की नई संभावनाओं के द्वार भी खोले हैं। जाम से राहत मिलने के कारण ईंधन को बचत हो रही है,

यात्रा का समय कम हुआ है और सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आई है। व्यापारिक गतिविधियों को गति मिली है, किसानों को अपनी उपज समय पर मंडियों तक पहुंचाने में सुविधा हुई है तथा विद्यार्थियों और मरीजों के लिए भी यात्रा पहले की अपेक्षा अधिक सुरक्षित और आसान बन गई है। मजबूत आधारभूत संरचना का यह विकास स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

प्रदेश सरकार का लक्ष्य केवल सड़क और पुलों का निर्माण ही करना नहीं है, बल्कि ऐसी आधुनिक परिवहन व्यवस्था विकसित करना है जो नागरिकों के जीवन को सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाए। इसी सोच के साथ प्रदेशभर में सड़क संपर्क, रेलवे ओवरब्रिज, संतु निर्माण और अन्य आधारभूत परियोजनाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है, जिससे विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।



करे। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान की अपूर्ण प्रतिमाओं का निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था, जो आज भी जगन्नाथ संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। इस महायात्रा का एक अत्यंत धार्मिक पक्ष यह भी है कि स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान अस्वस्थ माने जाते हैं और लगभग पन्द्रह दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इसके पश्चात वे रथों पर आरूढ़ होकर अपनी मौसी के घर गुण्डिचा मंदिर जाते हैं। वहां नौ दिनों तक विश्राम करते हैं और फिर बहुड़ा यात्रा के माध्यम से पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। लौटते समय भगवान का पोड़ा पीठा ग्रहण करना, पंचमी को देवी लक्ष्मी का रुष्ट होकर रथ का पहिया तोड़ना तथा बाद में भगवान द्वारा उन्हें मनाने की परम्परा भक्तिभाव एवं मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है।

पुरी की रथयात्रा का एक अन्य अद्भुत दृश्य छेरा पहरा है। गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण निर्मित झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। यह परम्परा संदेश देती है कि ईश्वर के समक्ष राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं। सत्ता का सर्वोच्च पद भी सेवा से बड़ा नहीं हो सकता। रथयात्रा के समय जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद भी विशेष आकर्षण का केन्द्र होता है। विश्व की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में से एक इस रसोई में मिट्टी के पात्रों में प्रसाद

ललित गर्ग

मुख्यमंत्री आवास योजना से आजमगढ़ में पक्के आशियानों के साकार होते सपने

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में आवास विहीन और अत्यंत असुरक्षित परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे परिवारों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए ‘मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)’ का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। इस कल्याणकारी पहल के अंतर्गत ग्रामीण उत्तर प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (म्ूँ) तथा गरीबी रेखा के नीचे (उच्म्) जीवन यापन करने वाले नागरिकों को प्राकृतिक आपदाओं, विशेषतः सामाजिक श्रेणियों और गंभीर स्वास्थ्य विभीषिकाओं के प्रभाव से सुरक्षित रखने के लिए पक्के मकानों की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में जनपद आजमगढ़ ने योजना के क्रियान्वयन में एक मिसाल पेश की है, जहां 96.23 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के साथ हजारों परिवारों को कच्ची दीवारों से निकालकर पक्के घरों तक पहुंचाया गया है। यह उपलब्धि केवल प्रशासनिक आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि ग्रामीण स्तर पर सामाजिक गरिमा, सुरक्षा और महिला सशक्तीकरण की एक नई इबारत है।

जनपद आजमगढ़ को योजना के अंतर्गत कुल 9,908 आवासों का लक्ष्य प्राप्त हुआ था, जिसके सापेक्ष जिला प्रशासन ने तीव्र और पारदर्शी प्रक्रिया अपनाते हुए 9,534 आवास पूर्ण कर लक्ष्य बना जात है। एक मजदूर, किसान, रिक्शा चालक या दिहाड़ी मजदूर दिनभर मेहनत करने के बाद अपने परिवार के लिए जो भोजन लेकर आता है, वह यह सोचकर संतोष करता है कि कम से कम उसका परिवार स्वस्थ भोजन कर रहा है। लेकिन यदि उसी भोजन में मिलावट हो तो यह उसके श्रम, उसके विश्वास और उसके जीवन—तीनों के साथ अन्याय है।

यह भी विचारणीय है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में खाद्य सुरक्षा के लिए कानूनों और संस्थाओं की कोई कमी नहीं है।

इसी रणनीतिक दृष्टिकोण के कारण आजमगढ़ आए पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के सफल क्रियान्वयन का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य उन पात्र परिवारों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है, जो किन्हीं कारणों से केंद्र सरकार की आवास योजनाओं के लाभ से वंचित रह गए थे। शासन द्वारा जारी नीतिगत दिशानिर्देशों के अनुरूप, योजना के तहत उन वर्गों को प्राथमिकता दी गई जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े हैं। इनमें प्राकृतिक आपदा (बाढ़, अग्निकांड या भूकंप) से प्रभावित परिवार, कुष्ठ रोग, जापानी इंसेफेलाइटिस (श्रम्), एक्स्ट्र इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (म्ूँ) तथा कालाजार जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित परिवार शामिल हैं। इसके अतिरिक्त मुसहर समुदाय, वन्तोंगिया, कोल, सहरीया जैसी वंचित अनुसूचित जनजातियाँ, विधवा महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर वर्गों को इसमें विशेष वरीयता दी गई है। सामाजिक न्याय और महिला सशक्तीकरण के सिद्धांतों को सुदृढ़ करते हुए इन आवासों का पंजीकरण मुख्य रूप से परिवार की महिला मुखिया के नाम पर अथवा पति-पत्नी के संयुक्त नाम पर सुनिश्चित किया गया है, जिससे ग्रामीण परिवेश में महिलाओं के आत्मसम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा में भारी वृद्धि हुई है। योजना के तत्कालीन एवं वित्तीय प्रावधानों के अनुसार, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मैदानी क्षेत्रों में प्रति आवास 1.20 लाख तथा कठिन या पथरीले क्षेत्रों में 1.30 लाख की प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में (कन्चर्जैस) पर विशेष बल दिया गया।

वर्ष 2047 तक विकासशील भारत से विकसित भारत बनाने में बेटियों की होगी महत्वपूर्ण भूमिका-जयवीर सिंह

48 मेधावियों को स्वर्ण, रजत तथा कांस्य पदक प्रदान किये

पश्चम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय लखनऊ के कला मण्डपम सभागार में आज आयोजित 16वें दीक्षांत समारोह में बेटियों ने सर्वाधिक पदक प्राप्त कर अपना परचम लहराया। कुल पदक में लगभग 60 प्रतिशत मेधावी छात्राओं को पदक हासिल हुआ। एमपीए की छात्रा कुंवारी श्वेता गुप्ता को सर्वाधिक 07 पदक प्राप्त हुए। इस अवसर पर 03 शोधार्थियों को पी०एच०डी० की उपाधि भी प्रदान की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर



सिंह ने की। उन्होंने मेधावियों को पदक वितरित किया और पदक विजेताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दीक्षांत समारोह में श्वेता गुप्ता के बाद रून्झुन सिंह एमपीए (कथक) में 02 पदक, स्पर्श कुमार कश्यप एमपीए (गायन) में 04 पदक, वल्लरी नारायण पाठक की बीपीए (कथक) में 02, तनिष्का सक्सेना बीपीए (कथक) में 02, गार्गीराज गंगा बीपीए (कथक) में 01, जितेन्द्र कुमार शर्मा बीपीए (कथक) में 01, प्रिया बीपीए (भरतनाट्यम) में 01, आलोक कुमार मिश्र बीपीए (तबला) में 04, प्रशांत पाण्डेय व नितीशा श्रीवास्तव को गायन में 01-01, प्रिया दुबे बीपीए (गायन) में 04, सुनंदा सिंह व वैशाली आनंद बीपीए (गायन) में 01-01 तथा आकांक्षा राय एमपीए (तबला) में 02 पदक प्रदान किया गया।

विश्वविद्यालय की कुलपति मांडवी सिंह ने विश्वविद्यालय के गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पदमश्री पं० कुंवार बोस ने पदक विजेताओं को अपने संस्कृति से जुड़े रहने तथा हिन्दुस्तानी संगीत को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

सरहनीय उपलब्धि

इसी प्रकार खुशी तिवारी, अमन कुमार यादव, आर्यन रावत, शिया राय एमपीए (कथक) में 01-01 पदक, दीप्ति सिंह एमपीए (भरतनाट्यम) में 03, नेहा काजी गिटार में 05, सर्वेश मणि त्रिपाठी एमपीए (गिटार) में 01 तथा करतुम्म तैरैया एमडीए में 01 पद प्राप्त हुआ। इस तरह कुल 48 पदक मा० मंत्री जी ने प्रदान किये। इसमें 30 स्वर्ण, 09 रजत तथा 09 कांस्य पदक शामिल थे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पर्यटन मंत्री ने कहा कि यह विश्वविद्यालय अपने शताब्दी वर्ष 1926 से वर्ष 2026 तक संगीत गायन, वादन, नृत्य एवं विभिन्न विधाओं में सरहनीय उपलब्धि हासिल की है। इसका इतिहास मौरिस कॉलेज ऑफ म्यूजिक से भातखण्डे संगीत महाविद्यालय होते हुए वर्ष 2022 में राज्य विश्वविद्यालय का दर्जा देकर इसका सम्मान बढ़ाया है।



भारत का एकमात्र सांस्कृतिक एवं कलात्मक धरोहर पर्यटन मंत्री ने कहा कि यह विश्वविद्यालय सम्पूर्ण भारत का एकमात्र सांस्कृतिक एवं कलात्मक धरोहर है। विश्वविद्यालय में भारतीय कला, संस्कृति, शास्त्रीय संगीत, लोकगीत, नृत्य, नाट्य, मानविकी को संरक्षित तथा सांस्कृतिक विरासत को युवा पीढ़ी को पहुंचाने का कार्य कर रहा है। दीक्षांत समारोह मेधावी छात्रों के जीवन में विशेषज्ञता के साथ ज्ञान एवं संस्कार का एक चरण है। भविष्य में व्यवहारिक जीवन में चुनौतियों और अवसर दोनों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस विश्वविद्यालय से जो ज्ञान, कौशल और संस्कार प्राप्त किये हैं, वह आपको चुनौतियों से निपटने में दक्ष बनायेंगे। समाज और राष्ट्र की सेवा में आपकी शिक्षा आपको वैभवशाली बनायेगी। समारोह की अध्यक्षता करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने कहा कि आज जिन मेधावी छात्र-छात्राओं को पदक प्राप्त हुए हैं। वह आगे चलकर भारत को विश्व गुरु बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे।

ट्रेनिंग पार्टनर पंजीकरण होगा ऑनलाइन, पेपरलेस और पारदर्शी

एक विलक पर मिलेगी जिलेवार ट्रेनिंग सेंटर की जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को हुनरमंद बनाने के साथ-साथ कौशल विकास प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बना रही है। इसी क्रम में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में विश्व युवा कौशल दिवस-2026 के राज्य स्तरीय समारोह में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बुधवार को दो महत्वपूर्ण डिजिटल पहलों का शुभारंभ किया। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने डिजिटल पोर्टल 'कौशल सेतु' का बटन दबाकर उद्घाटन किया। कौशल सेतु उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM) का डिजिटल पोर्टल है, जो ट्रेनिंग पार्टनर्स के पंजीकरण और एम्प्लॉयमेंट की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन, पेपरलेस और पारदर्शी बनाता है। इसके माध्यम से संस्थान आवेदन, दस्तावेज अपलोड और

- योगी सरकार में कौशल विकास को लगे डिजिटल पंख, 'कौशल सेतु' और 'कौशल सारथी' पोर्टल का उद्घाटन
- कौशल विकास मिशन ने केएलके प्राइवेट लिमिटेड और विनसम टेक्सटाइल से किया एमओयू
- 'स्किलिंग द फ्यूर...' कॉफी टेबल बुक का भी हुआ विमोचन

आवश्यक जानकारीयां एक ही प्लेटफॉर्म पर आसानी से जमा कर सकते हैं। इसके बाद कौशल विकास मिशन के दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म 'कौशल सारथी' का बटन दबाकर उद्घाटन किया, जो युवाओं को उनके जिले में उपलब्ध प्रशिक्षण केंद्रों, कोर्स और ट्रेनिंग पार्टनर्स की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराता है।

फास्ट न्यूज

रिकॉर्ड बिजली आपूर्ति से चमका उत्तर प्रदेश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश की बिजली व्यवस्था ने लगातार नई ऊंचाइयों को छुआ है। प्रदेश में निर्बाह और बिना कटौती बिजली आपूर्ति की जा रही है। प्रभावी प्रबंधन, मजबूत विद्युत ढांचे और सतत निगरानी के कारण उत्तर प्रदेश बिजली आपूर्ति के मामले में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना जैसे अग्रणी राज्य रिकॉर्ड बिजली आपूर्ति के मामले में उत्तर प्रदेश से काफी पीछे हैं।

2029 में लोकसभा व विधानसभा चुनाव साथ कराने की तैयारी तेज

लखनऊ। संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद पीपी चौधरी ने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि वर्ष 2029 में पूरे देश में लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हों। इसके लिए आवश्यक संवैधानिक व कानूनी संशोधन किए जाएंगे। यह किसी राजनीतिक दल का एजेंडा नहीं, बल्कि राष्ट्रहित से जुड़ा व्यापक चुनावी सुधार है, जिससे लोकतंत्र और शासन व्यवस्था दोनों मजबूत होंगे। श्री चौधरी बुधवार को लखनऊ में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

ड्रोन साईटिस्ट की फाइव स्टार होटल में लाश मिली

लखनऊ। लखनऊ के फाइव स्टार होटल में 22 साल के ड्रोन साईटिस्ट राहुल सिंह की मौत के मामले में परिवार ने बुधवार को गंभीर आरोप लगाए हैं। पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचा छोटा भाई रोहित सिंह फूट-फूट कर रोया। मंगलवार सुबह 11 बजे होटल के कमरे साईटिस्ट राहुल सिंह का शव मिला था। दरवाजा न खुलने पर होटल कर्मियों ने पुलिस को सूचना दी।

सियासत : सपा बोली- तुगलकी फरमान, जो भाजपा सांसद मछली-मात खाते हैं, उनके लिए कोई आदेश देंगी क्या?

लखनऊ के जीएमयू के हॉस्टलों में नॉनवेज बैन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के हॉस्टलों में नॉन-वेज पर बैन को लेकर सियासत शुरू हो गई है। सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने बुधवार को कहा- यह आदेश तुगलकी फरमान है। जो भाजपा सांसद बंगाल में मछली-भात खाते हैं, उनके लिए कोई राज्यपाल आनंदीबेन पटेल कोई आदेश देंगी क्या? केवल यूपी में आने के बाद आपकी विचारधारा बदल जाती है। लखनऊ के इमाम मौलाना खालिद रशीद फिर्गी महली ने कहा- KGMU प्रशासन को फैसला वापस लेना चाहिए। भारत में 61% से अधिक लोग मांसाहारी हैं। मेडिकल के नजरिए से मांसाहारी भोजन मानव स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। शिया धर्मग्रंथ मौलाना यासूब



अब्बास ने कहा-यूनिवर्सिटी का फैसला है। इस पर किसी को टिप्पणी करने की जरूरत नहीं है। अगर कोई नॉन-वेज खाना चाहता है तो बाहर जाकर खा सकता है। इसे सियासत से नहीं जोड़ना चाहिए। वहीं, भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा- छात्रों को कैसा खाना दिया जाएगा, यह फैसला विश्वविद्यालय खुद करता है। अगर ज्यादातर छात्र किसी खास तरह का भोजन पसंद करते हैं, तो संस्थान उसके अनुसार व्यवस्था कर सकता है। इसे विवाद का विषय नहीं बनाना चाहिए। तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगत गुरु परमहंसचर्य ने कहा, आनंदीबेन पटेल का यह जो फैसला है, इसका हम लोग स्वागत करते हैं। ये फैसला उनका बहुत ही अच्छा है। बच्चे मांसाहार करें, फिर नशा करें, उससे उनका भविष्य प्रभावित हो रहा था। राज्यपाल

सपा बोली- तुगलकी फरमान, जो भाजपा सांसद मछली-मात खाते हैं, उनके लिए कोई आदेश देंगी क्या?

‘नॉनवेज की जगह प्रोटीन वाले शाकाहारी खाने दिए जाएं’ KGMU के चीफ प्रोबोस्ट प्रो. कमल कुमार सावलानी ने हॉस्टलों की मेस और कैटीन में नॉनवेज पर बैन को लेकर मंगलवार को आदेश जारी किया। इसमें कहा गया कि मेस और कैटीन में अब मांसाहारी भोजन न तो पकाया जाएगा और न ही परोसा जाएगा। छात्र-छात्राओं को पर्याप्त प्रोटीन मिले, इसके लिए उनके भोजन में शाकाहारी प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थ शामिल किए जाएं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।

आनंदीबेन ने जो प्रतिबंधित किया है, हम लोग बहुत खुश हैं। हालांकि हमारा उनका निजी कुछ विवाद भी

केजीएमयू में 18 हॉस्टल हैं। अब तक यहां हर हफ्ते तीन दिन मेस में नॉन-वेज बनाया जाता था।

केजीएमयू की स्थापना 1905 में किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज के रूप में हुई थी। 2002 में इसे विश्वविद्यालय का दर्जा मिला।

रहा है। क्षेत्रवाद के कारण कई बार गुजरात के लोगों का उन्होंने समर्थन किया है, तो उसको लेकर मैं उनसे आहत भी हूं। लेकिन जो अच्छा काम है उसकी तो प्रशंसा जरूर की जाएगी।

- कई नोटिस के बाद हुई कार्रवाई
- भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अभियान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के आलमबाग थाना क्षेत्र के मवैया में बुधवार को रेलवे की जमीन पर बने अवैध कब्जे पर बुलडोजर चला। रेलवे सुरक्षा बल (RPF), जीआरपी (GRP) और नगर निगम की संयुक्त टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। अभियान के तहत मवैया तिवारी होटल से मछली मंडी तक रेलवे की जमीन पर बनी 400 से अधिक अवैध दुकानें और झोपड़ियां हटाई



जा रही हैं। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, इस इलाके में लंबे समय से जमीन पर अवैध कब्जा कर निर्माण किया गया था, जिसे हटाने की कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, अतिक्रमणकारियों को कई बार नोटिस जारी कर स्वयं कब्जा हटाने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समय के

बावजूद अवैध निर्माण नहीं हटाए जाने पर संयुक्त टीम ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए RPF, GRP और स्थानीय पुलिस के जवान बड़ी संख्या में मौके पर तैनात हैं। नगर निगम और रेलवे के अधिकारी भी अभियान की निगरानी की।

15 मिनट तक फायरिंग, दो युवकों के सीने पर गोली मारी, कार चढ़ाई, गांव में फोर्स तैनात बुलंदशहर में बीच सड़क डबल मर्डर

कहासुनी

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर। यूपी के बुलंदशहर में मंगलवार रात 9.30 बजे दो लोगों की हत्या कर दी गई। पैसों के लेनदेन को लेकर दो पक्षों में बीच सड़क विवाद हो गया। पहले दोनों पक्षों में कहासुनी हुई। देखते ही देखते मारपीट होने लगी। फिर दोनों तरफ से ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। करीब 15 मिनट तक दोनों तरफ से फायरिंग होती रही। इसके बाद एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर कार चढ़ा दी। वायदात में सोनू (42) और अजब सिंह (48) को सीने में गोली लगी। उनकी मौत हो गई। फायरिंग में उनके साथी भी घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का



सोनू, मृतक

अजब सिंह, मृतक

माहौल है। शांति व्यवस्था बनाने के लिए भारी पुलिस बल के अलावा पीएसो बल भी तैनात किया गया है। वायदात जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर सिकंदराबाद कोतवाली इलाके के गांव निजामपुर की है। गांव निजामपुर निवासी सोनू पुत्र सुनील और अजब सिंह ब्याज पर पैसे देने का काम करते थे। दोनों के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। रात 9.30 बजे सोनू अपने साथियों प्रशांत और सत्तु के साथ स्विफ्ट कार से गांव वापस आ रहा था। उसी

एक को कार से कुचला, दूसरे की अस्पताल में मौत

सोनू और अजब सड़क पर लहलुहान होकर गिर गए। उत्तम और रतन ने अजब को उठाया और स्कॉर्पियो से अस्पताल ले जाने लगे। सड़क पर पड़े सोनू पर कार चढ़ा दी। मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। इधर, अजब को ग्रेटर नोएडा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे भी मृत करार दे दिया।

वक्त अजब अपने साथियों उत्तम और रतन के साथ स्कॉर्पियो से लौट रहा था। मृतक सोनू के परिवार



सिकंदराबाद में घटना के बाद अस्पताल के बाहर सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस बल तैनात।

एडीजी और डीआईजी मौके पर पहुंचे

बवाल की सूचना पर रात करीब डेढ़ बजे एडीजी मेरठ जोन भानु भास्कर और डीआईजी कलानिधि नैथानी घटनास्थल पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने निरीक्षण पुलिस अफसरों से जानकारी ली। उन्होंने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए।

पिता यादराम के अलावा पत्नी और एक 11:45 बजे सोनू का शव पोस्टमॉर्टम के बेटा और बेटी है। बुधवार सुबह साढ़े बाद गांव लाया गया।

आयुष्मान योजना में लापरवाही पर बड़ा एक्शन बिजनौर के 16 सूचीबद्ध अस्पतालों पर गिरी गाज

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए साचीज लगातार सख्त निगरानी कर रही है। इसी के तहत बिजनौर के 20 अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान लापरवाही मिलने पर 16 चिकित्सालयों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि निरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि योजना से जुड़े सभी अस्पताल केंद्र और राज्य सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों, स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट गाइडलाइंस (एसटीजी) तथा गुणवत्ता मानकों का पूरी तरह पालन कर रहे हैं या नहीं। साचीज द्वारा गठित तीन

मुख्यमंत्री योगी की पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा की नीति के तहत साचीज का औचक निरीक्षण अभियान जारी

6 चिकित्सालयों को निलंबन नोटिस के साथ मुग़तान पर रोक, 10 अस्पतालों को अनियमितताओं के लिए नोटिस

सदस्यीय विशेष टीम ने बिजनौर के 20 विभिन्न सूचीबद्ध अस्पतालों का बिना पूर्व सूचना के निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पतालों में मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, उपचार प्रक्रिया, दस्तावेजों, रिकॉर्ड, क्लेम प्रक्रिया और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया गया।

फास्ट न्यूज

टीचर पत्नी से परेशान पति ने जहर खाकर जान दी

कानपुर। कानपुर के कल्याणपुर में टीचर पत्नी से विवाद के बाद को नेत्र परीक्षण अधिकारी ने मंगलवार शाम को जहर खा लिया। घटना के बाद परिजनों ने पत्नी, बेटे और सास पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। भाई और बीजेपी ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष अनुभव कटियार का कहना है कि लंबे समय से पारिवारिक तनाव और आर्थिक नियंत्रण के कारण परेशान थे।

पतिदेव मेरे लिए रेना मत, मुझे मुक्ति मिल गई

कानपुर। कानपुर में बुधवार को रीढ़ की हड्डी की गंभीर बीमारी से जूझ रही महिला ने जहर खाकर जान दे दी। इलाज के दौरान सुबह 6 बजे उसकी मौत हो गई। 26 साल की विवाहिता के कमरे से तीन पेज का सुसाइड नोट मिला। इसमें उसने असहनीय दर्द, बेबसी और परिवार पर बोझ नहीं बनने की बात लिखी। महिला वैष्णवी ने लिखा- मुझे माफ करना। आज मैं ऐसा कदम उठाने जा रही हूँ, जिससे आप सभी को बहुत दुख होगा। मुझे भी इस वक्त बहुत दुख हो रहा। बहुत कोशिश की मैंने हर पल हंसने की। किसी को परेशानी न हो कभी मेरी वजह से, इसलिए इस दर्द, जकड़न के बाद भी मैं हंसती रही। लेकिन अब बर्दाश्त नहीं हो रहा।

अचानक मोदी-शाह को सैल्यूट करने लगे आरपीएफ कमांडेंट

आगरा। आगरा में तीन दिन पहले रेलवे अफसर की पिटाई मामले पर RPF के सीनियर कमांडेंट राजमोहन पिचाई ने बुधवार दोपहर 2 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सबसे पहले पिचाई अपनी सीट से खड़े हुए और पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और विभाग के डायरेक्टर जनरल को सैल्यूट किया।

कानपुर में पीपीएन कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष ने की खुदखुशी

सिर में सटाकर गोली मारी, पत्नी लखनऊ में बेटियों के साथ अलग रहती हैं

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में PPN कॉलेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष ने सुसाइड कर लिया। उन्होंने लाइसेंस बंदूक से घर के कमरे में सिर में गोली मार ली। बुधवार तड़के 5 बजे परिवार वाले उन्हें जगाने पहुंचे। कई बार दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद दरवाजा तोड़ा गया। अंदर खून से लथपथ शव पड़ा मिला। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस को कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। शुरुआती जांच में पता चला है कि आलोक सिंह (50) की पत्नी बेटियों के साथ लखनऊ में अलग रहती हैं। इसी वजह से वह तनाव में रहते थे और शराब पीने लगे थे। घटना नौबस्ता के बसंत विहार इलाके की है। बसंत विहार डब्ल्यू-2



आलोक सिंह, मृतक

के रहने वाले केशव नाथ सिंह के तीन बेटे अजीत, आलोक और अभय और एक बेटी हैं। परिवार दो मंजिला मकान में रहता है। 2021 में कोरोना महामारी के दौरान उनके बड़े बेटे अजीत सिंह की मौत हो गई थी। मझले बेटे आलोक सिंह 1999 में पंडित पृथ्वीनाथ (PPN) कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष चुने गए थे। पिता केशव नाथ (79) ने बताया- मेरा नौबस्ता मौसम में ट्रान्सपोर्ट का कारोबार है। बेटे आलोक भी ट्रान्सपोर्ट के काम में हाथ बंटते थे। मंगलवार शाम आलोक काम से घर लौटे। खाना खाने के बाद पहली मंजिल पर बने कमरे का

बड़ी बेटी मर्चेट नेवी में, छोटी 12वीं की छात्रा

केशव नाथ ने बताया- आलोक की पत्नी विनीता और दो बेटियां अनुष्का और अंशिका हैं। अनुष्का मर्चेट नेवी में है, जबकि अंशिका लखनऊ में 12वीं की पढ़ाई कर रही। विनीता भी उसके साथ लखनऊ में रहती हैं। दो साल पहले विनीता के पिता ने उन्हें वहीं एक फ्लैट दिलाया था। लेकिन इनका कानपुर भी आना-जाना लगा रहता था।

दरवाजा बंद कर एसी चलाकर सो गए। देर शाम तेज धमाके की आवाज सुनाई दी थी, लेकिन मैंने उस पर गौर नहीं किया था।

मेरठ में फूट-फूटकर रोई महिलाएं, सुप्रीम कोर्ट ने दिया अवैध कब्जे हटाने का आदेश

‘हम लोग सड़क पर आ गए’

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ की सेंट्रल मार्केट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने 44 सील संपत्तियों से अवैध निर्माण और 815 घरों के आगे का अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए। मंगलवार दोहर 3 बजे सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया। इसका पता चलते ही 89 दिनों से धरने पर बैठी महिलाएं फूट-फूटकर रोने लगीं। कहने लगीं- 3 महीने के आंदोलन, पूजा-पाठ और जनप्रतिनिधियों से गुहार के बाद भी कोई राहत नहीं मिली। सरकार गूंगी-बहरी हो गई है। सरकार ने हमें सड़क पर ला दिया। हमारा सब कुछ खत्म हो गया। अब इस उग्र में दोबारा घर कहां बनाएंगे? अब कहां जाएंगे? ऐसी जिंदगी से तो अच्छा है, हमें मार दो। कोर्ट ने मेरठ के अन्य आवासीय इलाकों में भी नियमों के खिलाफ चल



89 दिनों तक पूजा पाठ कर मांग रही थीं न्याय

रही व्यावसायिक गतिविधियों की जांच कराने का निर्देश दिए हैं। प्रमुख सचिव, आवास एवं शहरी नियोजन विभाग को सितंबर तक रिपोर्ट पेश करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सील 44 संपत्तियों पर किए



महिलाओं ने मंगलवार को धरनास्थल पर सुंदरकांड का पाठ किया। भगवान से अपने प्रतिष्ठान और व्यापार को बचाने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि पिछले 89 दिनों से चल रहे धरने के दौरान पूजा-पाठ, रुद्राभिषेक और अन्य

धार्मिक अनुष्ठानों के जरिए न्याय की गुहार लगाई गई। कई जनप्रतिनिधियों से भी मुलाकात कर अपनी बात रखी, लेकिन कहीं से राहत नहीं मिली। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद बची हुई उम्मीद भी टूट गई।

पृष्ठ 01 का रोष...

अब हर जिले में बनेगा ...

इस अवसर पर विभाग द्वारा प्रशिक्षित 11 युवाओं को मुख्यमंत्री के कर-कमलों से सम्मानित किया गया। आईटीआई अलीगंज लखनऊ के प्रशिक्षार्थियों द्वारा निर्मित स्मृति चिह्न मुख्यमंत्री को भेंट किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि आज का दिन उत्तर प्रदेश के लिए एक का दिन है। पूरी दुनिया देख रही है कि उत्तर प्रदेश में कैसे प्रशासनिक व्यवस्था, शासन, गुंडागर्दी का खान्ता, इंफ्रास्ट्रक्चर, 24 घंटे बिजली और युवाओं को रोजगार से जोड़ने का मॉडल बना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब भी देश-विदेश में बोलते हैं, स्किल की बात जरूर करते हैं। स्किल केवल नौकरी का साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए विभाग सेंफ्र हेल्प ग्रुप की बहनों और

युवाओं के उत्पादों को बाजार दिला रहा है। हाल ही में प्रधानमंत्री ने मन की बात में गोबर से बने गणेश जी का उल्लेख किया था, ऐसे स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना विभाग की प्राथमिकता है। मंत्री अग्रवाल ने योगी सरकार की उपलब्धियां पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पिछले 9 वर्षों में 20 लाख युवाओं को प्रशिक्षण, जिसमें 12.50 लाख को रोजगार मिला। 2026-27 में 10 लाख युवाओं को प्रशिक्षण का लक्ष्य है। प्रदेश में लगभग 94 लाख MSME इकाइयों को प्रशिक्षण दिया गया है। योगी सरकार ने विभाग का बजट 9 गुना बढ़ाकर 3310 करोड़ रुपये किया है। टाटा समूह के साथ 7000 करोड़ रुपये का CSR MoU, जिससे 225 आईटीआई को नई तकनीक से अपग्रेड किया गया है। भारत सरकार की द्वारा PM सेतु के तहत 50,000 करोड़ रुपये का बजट, जिसका लाभ यूपी को भी मिल रहा है। पिछले 8 वर्षों में प्रदेश में 60 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार, जिसमें 14,00,992 युवा अकेले UPSDM के माध्यम से समायोजित हुए। प्रदेश में 330 से अधिक राजकीय और लगभग 3000 निजी आईटीआई के

माध्यम से हर साल 3.5 से 4 लाख प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। फ्लेक्स सिस्टम के तहत रमंड, टाटा सहित कई कंपनियों के साथ MoU हुआ है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, IoT, इलेक्ट्रिक व्हीलर, 3D प्रिंटिंग, एडवांस CNC, ऑटोमेशन, डिजिटल मैनुफैक्चरिंग जैसे भविष्य के ट्रेड में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ब्लू डॉट सॉफ्टवेयर तैयार, जिसमें युवा अपना बयौंटाटा अपलोड करेंगे और कंपनी खुद उन्हें कॉल करेगी, ताकि युवाओं को धक्के न खाने पड़ें।

राहुल गांधी को सहत ...

आरोप है कि राहुल गांधी ने अमित शाह के संबंध में विवादित टिप्पणी की थी। मुकदमे की सुनवाई के दौरान विजय मिश्र ने 12 मार्च को राहुल गांधी को आवाज का नमूना जांच कराने की मांग की थी। स्पेशल मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने 2 मई को यह अर्जी खारिज कर दी थी। उन्होंने जमानतनामा प्रस्तुत करने और अंतिम बहस आगे बढ़ाने का आदेश दिया था। विजय मिश्र ने इस आदेश को एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में चुनौती दी थी। बुधवार को स्पेशल जज ने

उनकी याचिका खारिज कर दी। राहुल गांधी को आवाज के नमूने की जांच कराने की मांग पहले स्पेशल मजिस्ट्रेट कोर्ट ने खारिज की थी। अब उसी आदेश के खिलाफ दाखिल निगरानी याचिका की एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने निरस्त कर दी। लगातार दो अदालतों से राहत नहीं मिलने के बाद परिवर्तित भाजपा नेता को कानूनी इश्टका माना जा रहा है।

भाजपा चाहती थी मुझे ...

मदन मिश्रा ने यह कदम तब उठाया, जब उनके ऊपर प्रवर्तन निदेशालय (ED) का शिकंसा कस रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मंगलवार को इंडी ने मदन मिश्रा की पत्नी और उनके दो बेटों को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। ममता ने वीडियो मेसेज में कहा- कुछ लोगों को धमकाया जा रहा है। आज भी एक व्यक्ति ने पार्टी छोड़ दी। उसने कल मुझसे कहा कि उसके परिवार को धमकाया जा रहा है। वे बोलीं- आज अभिषेक बागी नेताओं के लिए बुरे हैं। उनकी पत्नी अपने बच्चों के साथ CBI के पास गई थीं। वह चाहते

तो सेंटिंग करके राहत पा सकते थे। उन्होंने उससे उबरकर दिखाया क्योंकि वह एक शेर की तरह लड़ रहे हैं। ममता ने कहा कि हमें हराया गया। मैं पुलिस का सम्मान करती हूँ, लेकिन वे BJP कार्यकर्ताओं की तरह काम कर रहे हैं। हमारे नेताओं को धमका रहे हैं। अगर मैंने सेंटिंग की होती तो यह सब नहीं झेलना पड़ता, लेकिन मैं अपना जमीर नहीं बेचती।

खतरे में देश की ...

तमिलनाडु के कुडनकुलम प्रोजेक्ट पर काम कर रहे अंजल अंबानी के रिलायंस ग्रुप ने माना है कि थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योद्धा का सर्वर हैक किया गया। इसकी जानकारी सरकार को दे दी गई है। परमाणु सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि डाकू वेब पर मौजूद ये दस्तावेज अगर असली हैं, तो इनके जरिए कोई हमलावर न्यूक्लियर पावर प्लांट के सपोर्ट सिस्टम, सप्लाई चैन और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर ढंग से समझ सकता है, जिससे सुरक्षा जोखिम बढ़ सकता है।

सोनम वांगचुक के ...

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोशल

मीडिया पर लिखा- सोनम वांगचुक जी से मेरी भावनात्मक अपील है कि वे अपना अनशन समाप्त करें। आपने देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है और किसी भी अनशन का यही उद्देश्य होता है। देश को आगे की लंबी लड़ाई के लिए आपकी आवाज की जरूरत है। सोमवार से संसद का सत्र शुरू हो रहा है। हमें लोकतंत्र के सर्वोच्च मंच पर छात्रों के मुद्दे उठाने का अवसर मिलेगा। इन समस्याओं का समाधान संसद में होना चाहिए, न कि किसी की जान जोखिम में डालने वाले अनशन से। कृपया मेरी अपील स्वीकार करें। लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे सोनम वांगचुक 170 दिन तक जोधपुर जेल में रहे। उनके अनशन के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह में हिंसा हुई, जिसमें 4 लोगों की मौत और 90 लोग घायल हुए। सरकार ने हिंसा भड़काने का आरोप वांगचुक पर लगाया। इसके दो दिन बाद, 26 सितंबर को उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत हिरासत में लेकर जोधपुर जेल भेज दिया गया। वांगचुक को भूख हड़ताल करते हुए

18 दिन हो गए हैं। महात्मा गांधी से लेकर जीडी अग्रवाल तक कई नेता-सामाजिक कार्यकर्ता अलग-अलग मांगों को लेकर भूख हड़ताल करते रहे हैं। इरोम शर्मिला मणिपुर से AFSPA हटाने की मांग को लेकर 16 साल भूख हड़ताल पर रही।

याचिका में इमरजेंसी ...

किसी की जान खतरे में होने पर सरकार चुप नहीं रह सकती। भूख हड़ताल शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है, लेकिन नागरिक की जान बचाना भी सरकार की जिम्मेदारी है।

नोएडा में 4 मंजिला ...

ऐसे में गाड़ियों को सड़क पर ही खड़ा करना पड़ा। इसके बाद पाइप जोड़कर आग पर काबू पाया गया। इसमें करीब 3 घंटे लगे। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने जिस बिल्डिंग में आग लगी थी, उसकी छत से सामने वाली बिल्डिंग तक सीढ़ियां लगाकर पुल बनाया। फिर उसके सहारे लोगों को दूसरी बिल्डिंग में सुरक्षित पहुंचाया। पुलिस ने बिल्डिंग मालिक को हिमसत में ले लिया है। हादसे में जाने गंवाने की वाली लड़की स्नेहा श्रीवास्तव (22) बिहार की रहने वाली थी।

पंड्या को दूसरी टीम से बदलने की संभावना, अगले हफ्ते रिव्यू मीटिंग में फैसला बुमराह मुंबई इंडियंस के कप्तान बन सकते हैं

बदलाव

मुंबई, एजेंसी

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस के अगले कप्तान बन सकते हैं। हार्दिक पंड्या और टीम में शामिल एक पूर्व भारतीय कप्तान ट्रेड हो सकते हैं। हेड कोच महेला जयवर्धने समेत कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव हो सकता है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, इन सभी मुद्दों पर अंतिम फैसला अगले हफ्ते इंग्लैंड में होने वाली रीव्यू मीटिंग में लिया जा सकता है। बैठक में अंबानी परिवार और फ्रेंचाइजी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

पिछले 5 सीजन में मुंबई का प्रदर्शन खराब रहा है। टीम पिछले



सीजन में 4 मैच जीतकर 8 अंकों के साथ 9वें स्थान पर रही थी। मुंबई इंडियंस ने अपना पिछला IPL टाइटल 2020 में रोहित शर्मा की कप्तानी में जीता था। फाइनल में दिल्ली को 5 विकेट से हराया था। बुमराह ने IPL 2026 में हार्दिक और सूर्या की गैरमौजूदगी में पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम की कप्तान संभाली है। उस समय उन्होंने कहा

था, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुंबई इंडियंस की कप्तानी करने से पहले मैं भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बन जाऊंगा।' बुमराह के अलावा तिलक वर्मा का नाम भी चर्चा में है, लेकिन टी-20 में उनकी हालिया फॉर्म अच्छी नहीं रही। माना जा रहा है कि कम उम्र में कप्तानी मिलने से उनकी बल्लेबाजी पर असर पड़ सकता है।

हार्दिक पंड्या को कप्तान बनाया, लेकिन प्रदर्शन नहीं सुधरा

फ्रेंचाइजी ने 27 नवंबर 2023 को हार्दिक पंड्या को ट्रेड करके अपने साथ जोड़ा और फिर कप्तान बनाया था। लेकिन पंड्या की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन नहीं सुधरा। ड्रेसिंग रूम में अनबन की स्थिति बनी और कुछ रिपोर्ट्स में गुटबाजी की बातें भी सामने आईं। हालांकि, इस पर टीम या मैनेजमेंट ने कुछ नहीं कहा। ड्रेसिंग रूम में अनबन और लगातार बदलती रणनीतियों का असर टीम के प्रदर्शन पर पड़ा। हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई ने 39 मैच खेले हैं, लेकिन 15 में ही जीत हासिल की है।

जसप्रीत बुमराह कप्तानी की रेस में सबसे आगे

मुंबई इंडियंस 2027 सीजन के लिए स्थायी कप्तान बनाना चाहती है। टीम अस्थायी या कामचलाऊ कप्तान के साथ आगे नहीं बढ़ना चाहती। कप्तानी की रेस में जसप्रीत बुमराह सबसे आगे हैं। पिछले तीन सीजन में उनका प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा है।



रोहित ने मुंबई को 5वीं बार IPL ट्रॉफी जिताई थी।

मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर और पूर्व कप्तान हार्दिक पंड्या के भविष्य को लेकर चर्चा तेज है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई आईपीएल फ्रेंचाइजी उन्हें लेना चाहती हैं। अगले हफ्ते होने वाली बैठक के बाद ही हार्दिक के भविष्य की तस्वीर साफ होगी।

16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल में स्पेन फ्रांसको 2-0 सेहराया,ओयारजाबाल नेपेनल्टी परगोल किया

डलास, एजेंसी

स्पेन 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गया है। टीम ने पहले सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराकर दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई। डलास स्टेडियम में मिकेल ओयारजाबाल ने 22वें मिनट में पेनल्टी पर पहला गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में पेद्रो पोरो ने गोल दागकर स्पेन की जीत पक्की कर दी।

स्पेन 2010 के बाद फाइनल खेलेंगे। तब टीम ने फाइनल में नीदरलैंड को 1-0 से हराकर अपना इकलौता वर्ल्ड कप जीता था। वहीं, फ्रांस 2018 और 2022 के बाद लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने से रह गया। स्पेन को 22वें मिनट में पेनल्टी



मिली। फ्रांस के डिफेंडर लुकास डिग्ने ने बॉक्स के अंदर लामिन यमाल पर फाउल कर दिया। इसके बाद रेफरी ने पेनल्टी दे दी। मिकेल ओयारजाबाल ने गेंद को गोलपोस्ट के दाएं कोने में भेज दिया। इसके साथ ही स्पेन ने 1-0 की बढ़त बना ली। यह ओयारजाबाल का टूर्नामेंट में पांचवां गोल रहा। पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहे किलियन एम्बाप्पे इस मुकाबले में स्पेन की मजबूत डिफेंस के सामने असर नहीं छोड़ सके। उन्हें कई बार ऑफसाइड मिला और दूसरे हाफ में येलो कार्ड भी मिला।

दूसरे हाफ में फ्रांस बराबरी की कोशिश करता रहा, लेकिन 58वें मिनट में पेद्रो पोरो ने दानी ओल्मो के शानदार पास पर गोल कर स्पेन की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद स्पेन ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और फ्रांस को कोई बड़ा मौका नहीं दिया।

बर्मिंघम, एजेंसी

भारत ने पहले वनडे में इंग्लैंड को 6 विकेट से हरा दिया। बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में जसप्रीत बुमराह ने वनडे में अपने 150 विकेट पूरे किए। इसके साथ ही वह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए। मैच के दौरान कई दिलचस्प नजारे भी देखने को मिले। इंग्लैंड की पारी में जोस बटलर का कैच लेने की कोशिश में शुभमन गिल और गुरनूर बरार आपस में टकरा गए। वहीं, भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी मैच देखने पहुंचे। स्टैंड्स में उनका एक नन्हें फैन के साथ बैठकर पॉपकॉर्न खाते हुए वीडियो वायरल हो गया। बुमराह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा



वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने बर्मिंघम में एक विकेट लिया। इसके साथ ही इंग्लैंड में उनके 31 विकेट हो गए हैं। उन्होंने रवींद्र जडेजा का रिकॉर्ड तोड़ा। जडेजा ने 30 विकेट लिए हैं। धोनी मैच देखने बर्मिंघम पहुंचे। इस दौरान उनके पास बैठे एक छोटे बच्चे ने उन्हें पॉपकॉर्न ऑफर किया। धोनी ने मना नहीं किया और

बुमराह के वनडे में 150 विकेट पूरे

बुमराह वनडे में सबसे कम गेंद पर 150 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय बने। उन्होंने 4605 गेंदों में 150 विकेट पूरे किए। पहले स्थान पर मोहम्मद शमी है। उन्होंने 4070 गेंद में 150 विकेट लिए थे। कुलदीप यादव 4513 गेंद के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

पॉपकॉर्न खाया। हालांकि फिर बच्चे



डॉसन ने 36 साल की उम्र में पहली फिफ्टी लगाई

डॉसन वनडे में पहली फिफ्टी लगाने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज इंग्लिश खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 36 साल 135 दिन की उम्र में 68 रन की पारी खेली। इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा उम्र में पहली फिफ्टी लगाने का रिकॉर्ड ज्योफ्री बॉयक्रॉफ्ट के नाम है। उन्होंने 38 साल 245 दिन की उम्र में ऐसा किया था।

को इशारा किया की मेरा पेट भरा है, आप खाओ। 17वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर जोस बटलर कैच आउट हुए। ओवर की पहली गेंद पर बटलर ने लेग साइड में शॉट खेला, लेकिन गेंद ने बैट का टॉप एज लिया। कैच पकड़ने के लिए मिड-ऑफ से शुभमन गिल और मिड-

ऑन से गुरनूर बरार दौड़े। इस दौरान दोनों की टक्कर हो गई। हालांकि बरार ने कैच पकड़ लिया और किसी को चोट भी नहीं लगी। शिवम दुबे ने पारी के 20वें ओवर में अपनी ही गेंद पर कैच छोड़ दिया। ओवर की तीसरी गेंद पर रूट ड्राइव शॉट खेलने में जल्दबाजी कर गए।

मनोरंजन

प्रेग्नेसी में डोसा खाने पहुंची दीपिका पादुकोण

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह अपने दूसरे बच्चे के जन्म का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच दोनों मुंबई में लंच डेट के लिए पहुंचे। मंगलवार को यह कपल भारी सुरक्षा के बीच मुंबई के एक मशहूर रेस्टोरेंट में बेने डोसा खाने पहुंचा। सोशल मीडिया पर इस आउटिंग के वीडियो सामने आए हैं, जिसमें दोनों रेस्टोरेंट से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह रेस्टोरेंट में खाना खाने के बाद बाहर निकलते हुए दिख रहे हैं। दोनों ने इस आउटिंग को काफी सिंपल रखा और कैजुअल कपड़े पहने हुए थे। दीपिका ने एक ढीला को-आर्ड सेट पहना था, जबकि



रणवीर टी-शर्ट और काली पैंट में नजर आए। दोनों ने अपने चेहरे पर मास्क लगा रखा था और वे अपनी कार की तरफ बढ़ गए। जब वे रेस्टोरेंट से बाहर आ रहे थे, तब दीपिका के सुरक्षाकर्मियों ने वहां

धुरंधर 2 की सफलता पर भी आए थे यहां

दीपिका और रणवीर का इस रेस्टोरेंट से पुराना जुड़ाव रहा है। यह पहली बार नहीं है जब दोनों इस जगह पर बेने डोसा खाने पहुंचे हैं। इससे पहले भी यह कपल रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता का जश्न मनाने के लिए इसी रेस्टोरेंट में आया था। उस समय भी उनकी इस खिजिट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं और फैंस ने उनके इस फूड्री अंदाज को पसंद किया था।

मौजूद लोगों से वीडियो न बनाने का अनुरोध भी किया।

इन दिनों सोशल मीडिया पर लिमिटेड पोस्ट शेयर कर रही दीपिका पादुकोण ने हाल ही में बेबी बंप फ्लॉन्ट किया है। उन्होंने प्रेग्नेसी पोस्ट के बाद एक एड का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो बेबी बंप के साथ मस्तीभरे अंदाज में दिख रही हैं।

इंस्टाग्राम पर की थी दूसरी प्रेग्नेसी की घोषणा

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने कुछ समय पहले ही इंस्टाग्राम पर एक जॉइंट पोस्ट शेयर कर दूसरी बार पेरेंट्स बनने की जानकारी दी थी। इस पोस्ट में उनकी बेटी दुआ पादुकोण सिंह एक प्रेग्नेसी टेस्ट किट पकड़े नजर आ रही थी, जिस पर दो पिक लाइनें बनी थीं। दीपिका और रणवीर ने साल 2018 में इटली में शादी की थी। इसके बाद सितंबर 2024 में उन्होंने अपनी पहली बेटी दुआ का स्वागत किया था।

समय रैना मिस्ट्री गर्ल के साथ दिखे हाथ थामे नजर आए

नई दिल्ली। कॉमेडियन समय रैना का मंगलवार को एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह एक मिस्ट्री गर्ल का हाथ पकड़कर भीड़ से बाहर निकालते नजर आ रहे हैं। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि उनके साथ जो लड़की थी, वह कौन हैं। गौरतलब है कि बीते दिनों



समय रैना और फिल्म 12th फेल की एक्ट्रेस मेधा शंकर के बीच डेटिंग की अफवाहें चर्चा में थीं। अब सामने आए नए वीडियो के बाद एक बार फिर उनकी निजी जिंदगी को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। 'इंडियाज गॉट टैलेंट' सीजन 2 की शूटिंग के बाद समय रैना निकलते दिखाई देते हैं। इस दौरान वहां पैपराजी और फैंस की भीड़ मौजूद थी। भीड़ के बीच समय एक

मास्क पहने लड़की का हाथ पकड़कर उसे सुरक्षित बाहर निकालते हुए कार तक ले जाते नजर आते हैं। इससे पहले समय रैना और मेधा शंकर को लेकर भी डेटिंग की अफवाहें सामने आई थीं। सोशल मीडिया पर वायरल एक पोस्ट में दावा किया गया था कि दोनों को एक ही जगह पर साथ देखा गया। पोस्ट में यह भी कहा गया कि पैपराजी को देखते ही दोनों अलग-अलग रास्तों से निकल गए। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जरीन के बाद पैपराजी पर भड़कीं मौनी

कार के शीशे से वीडियो बनाने पर बोलीं- बंद करो, दोस्तों के साथ डिनर पर गई थीं

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान के बाद अब मौनी रॉय भी पैपराजी पर भड़क गई हैं। दरअसल मंगलवार रात मुंबई में दोस्तों के साथ डिनर के बाद जब वे अपनी कार में बैठीं, तो फोटोग्राफर्स लगातार उनका वीडियो बनाने लगे। इससे गुस्सा होकर मौनी ने हाथ के इशारे से कैमरे बंद करने को कहा। वीडियो में दिख रहा है कि मौनी रॉय अपनी कार की सीट पर बैठी हैं। उन्होंने स्लीवलेस ब्लैक आउटफिट पहना है और बाल खुले रखे हैं। कार के अंदर बैठे होने के बाद भी जब फोटोग्राफर्स छिड़कीं से लगातार उनका वीडियो रिकॉर्ड करते रहे, तो मौनी का गुस्सा बढ़ गया। उन्होंने पहले हाथ से इशारा किया और फिर उंगली दिखाते हुए सख्त लहजे में कहा, बंद करो। मौनी ने काफी धैर्य रखने की कोशिश की, लेकिन पैपराजी के न



मानने पर वे नाराज हो गईं और फिर उनकी गाड़ी वहां से रवाना हो गई। गॉल्ड स्ट्रीमिंग अवॉर्ड सेरेमनी में नेहा धूपिया पैपराजी पर भड़क गई थीं। एक्ट्रेस ने बैक शॉट लेने और उन्हें पोस्ट करने पर नाराजगी जाहिर की और पैपराजी को कड़े शब्दों में वॉर्निंग भी दी।

जरीन खान ने कहा- फालतू गिरी मत करना

इससे पहले एक्ट्रेस जरीन खान भी पैपराजी पर बुरी तरह गुस्सा हो गई थीं। एक ब्रांड इवेंट के दौरान जरीन ने पैपराजी को फटकार लगाते हुए कहा की मेरे साथ फालतू गिरी की बातें नहीं करना। उन्होंने सख्त लहजे में सामने वाले को अपनी हद में रहने की हिदायत दी। दरअसल जरीन खान मुंबई में एक क्लोदिंग ब्रांड के प्रमोशन इवेंट में पहुंची थीं। वे हरे रंग की ड्रेस पहने हुए मीडिया के कैमरों के सामने डेनिम जैकेट और जींस को डिस्प्ले कर रही थीं। इसी दौरान वहां मौजूद पैपराजी ने उनसे कहा की ड्रेस ट्राई करके दिखाओ। एक्ट्रेस को ये बात बिल्कुल पसंद नहीं आई। जरीन खान ने कहा, फालतू गिरी की बातें नहीं करना मेरे साथ, क्योंकि मैं ऐसी चीजें बर्दाश्त करने वालों में से नहीं हूँ। अपनी हद में रहकर बात करना। यह बात कहते हुए जरीन के चेहरे पर साफ तौर पर गुस्सा देखा जा सकता है।



कृति सेनन रुमई बॉयफ्रेंड के साथ भारत-इंग्लैंड मैच देखने पहुंचीं

स्टेडियम में कबीर बहिया के साथ देखा पहला वनडे

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन मंगलवार को इंग्लैंड के बर्मिंघम में भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे मैच देखने पहुंचीं। इस दौरान उनके साथ उनके रूमई बॉयफ्रेंड और बिजनेस-मैन कबीर बहिया भी मौजूद थे। दोनों को स्टेडियम के स्टेड्स में एक साथ मैच इंजॉय करते देखा गया। कृति और कबीर बहिया ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर स्टेडियम की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें दोनों एक दोस्त के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिससे दोनों के रिलेशनशिप की चर्चाएं बार फिर तेज हो गई हैं। कबीर बहिया ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के जरिए फैंस को इस आउटिंग की झलक दिखाई।



पिछले कुछ महीनों से है डेटिंग की चर्चा

कृति सेनन और कबीर बहिया के रिलेशनशिप की खबरें कुछ महीने पहले तब शुरू हुई थीं, जब एक्ट्रेस ने अपना 34वां जन्मदिन मनाया था। तब से उनकी रोमांस की खबरें लगातार मीडिया में बनी हुई हैं। दोनों को कई मौकों पर एक साथ देखा गया है, हालांकि दोनों की तरफ से रिश्ते को लेकर कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। इससे पहले कबीर बहिया को कृति की बहन नुपूर सेनन और सिंघर स्टीबिन बेन की शादी में भी देखा गया था, जहां वे पारिवारिक फंक्शंस का हिस्सा बने थे।

रुसी तेल खरीदने वाले देशों पर कार्रवाई की तैयारी, संसद में बिल पेश, 5 देश निशाने पर भारत पर 100% टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

तैयारी

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी सीनेट में एक बिल पेश किया गया है, जिसमें भारत, चीन समेत पांच देशों पर 100% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है। इसमें हंगरी, स्लोवाकिया और अजरबैजान भी शामिल हैं।

बिल के मुताबिक, इन देशों से आने वाले सामान पर 100% तक टैरिफ लगाया जा सकेगा। साथ ही रूस की ऊर्जा, वित्तीय और रक्षा व्यवस्था पर भी नए प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। इससे पहले बिल के



शुरुआती मसौदे में 500% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था, लेकिन बाद में इसे घटाकर 100% कर दिया गया। अगर यह बिल पास हो जाता है, तो अमेरिका पहली बार किसी देश पर सिर्फ इसलिए टैरिफ लगाएगा, क्योंकि वह रूस से तेल खरीदकर उसकी कमाई बढ़ा रहा है। इस कदम का मकसद रूस के तेल कारोबार पर आर्थिक दबाव बनाना और उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर करना है। इस बिल को सबसे पहले रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेट सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने अप्रैल 2025 में पेश किया था। अब तक

भारत ने जून 2026 में रूस से रिकॉर्ड 26.1 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा, जो देश के कुल तेल आयात का 52.4% था। यानी पिछले महीने भारत में आयात होने वाले हर दो बैरल तेल में एक से ज्यादा बैरल रूस से आया। रूस लगातार भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना हुआ है। मई के मुकाबले जून में रूस से तेल आयात में करीब 39% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

रूस पर सख्ती वाले बिल को दोनों दलों का समर्थन

सीनेट में पेश रूस-विरोधी टैरिफ बिल को रिपब्लिकन और डेमोक्रेट, दोनों दलों का समर्थन मिला है। इसे अमेरिकी राजनीति में 'बाइपार्टिसन बिल' कहा जाता है। यानी ऐसा प्रस्ताव जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों सहमत हों। आमतौर पर अमेरिका में कई बड़े विधेयक राजनीतिक मतभेदों की वजह से अटक जाते हैं। लेकिन जब दोनों दल किसी बिल के साथ खड़े होते हैं, तो उसके कांग्रेस से पारित होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। हालांकि, बिल को कानून बनने के लिए अभी सीनेट और प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) दोनों से मंजूरी लेनी होगी। इसके बाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने पर ही यह कानून बनेगा।

26 सीनेटर इस बिल को अपना समर्थन दे चुके हैं और आगे समर्थन बढ़ने की उम्मीद है। 11 जुलाई को लिंडसे ग्राहम का निधन हो गया था। निधन से एक दिन पहले उन्होंने यूक्रेन दौरे के दौरान कहा था कि

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इस बिल को आगे बढ़ाने पर सहमत हो गए हैं। ट्रम्प ने भी व्हाइट हाउस में कहा, यह लिंडसे के सम्मान में है। यह उनका सबसे बड़ा मुद्दा था और इसके कानून बनने की अच्छी संभावना है।

फास्ट न्यूज

तुर्किए का एस-400 दांव

अंकारा। तुर्किए का रूसी S-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम पिछले सात सालों से नाटो (NATO) और अमेरिका के बीच विवाद की सबसे बड़ी वजह रहा है। तुर्किए ने इसे 2017 में खरीदा था और 2019 में इसकी डिलीवरी हुई थी। इस एक सौदे की वजह से तुर्किए को अमेरिका के अत्याधुनिक F-35 फाइटर जेट प्रोग्राम से बाहर कर दिया गया और उस पर कड़े प्रतिबंध भी लगा दिए गए।

अमेरिका ने होर्मुज में फिर से शुरु की नाकाबंदी

तेहरान। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को घोषणा की है कि उसने होर्मुज में कमर्शियल जहाजों पर ईरान के हमलों के जवाब में ईरानी बंदरगाहों पर अपनी नाकाबंदी फिर से लागू कर दी है। इस कदम के साथ ही अंतरिम युद्धविराम समझौता टूटने की कगार पर पहुंच गया है और क्षेत्र में एक बार फिर पूर्ण युद्ध छिड़ने की आशंका बढ़ गई है। ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर IRIB ने बताया कि दक्षिणी शहर अहवाज में एक और धमाके की आवाज सुनी गई, जबकि केशम द्वीप पर भी कई धमाकों की खबर मिली।

‘मरेंगे तो साथ मरेंगे’

एथेंस। बीते शुक्रवार यानी 9 जुलाई को ग्रीस से जर्मनी जा रही रयानएयर की एक फ्लाइट में हवा में एक बेहद डरावना हादसा सामने आया, जिसने विमान यात्रा और सुरक्षा को लेकर एक बार फिर कई सावल खड़े कर दिए।

फ्लाइट के उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान की एक खिड़की अचानक टूट गई, जिससे केबिन का दबाव कम हो गया और एक यात्री का आधा शरीर प्लेन से बाहर खिंच गया।

ऐलान : स्विगी की एचपीसीएल के साथ पार्टनरशिप, बेंगलुरु से शुरुआत नए कनेक्शन के बिना भी ऑर्डर कर सकेंगे

इंस्टामार्ट से अब घर बैठे एलपीजी सिलेंडर मिलेगा

बेंगलुरु, एजेंसी

स्विगी के क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म इंस्टामार्ट ने LPG सिलेंडर की डिलीवरी शुरू करने के लिए हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ पार्टनरशिप का ऐलान किया है। इसके तहत अब ग्राहक सीधे इंस्टामार्ट ऐप के जरिए ऑन-डिमांड LPG गैस सिलेंडर ऑर्डर कर सकेंगे।

बुधवार, 15 जुलाई को दोनों कंपनियों ने इस सर्विस को लॉन्च करने की जानकारी दी। गैस सिलेंडर की क्विक डिलीवरी के लिए क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म के साथ हुई यह देश की पहली पार्टनरशिप है। शुरुआती फेज में इस सर्विस को कर्नाटक के बेंगलुरु में रोलआउट



किया जाएगा। इस पार्टनरशिप के जरिए ग्राहक इंस्टामार्ट ऐप पर HPCL के दो तरह के सिलेंडर ऑर्डर कर सकेंगे। इसमें हाल ही में लॉन्च किया गया कंपनी का 'HP नव्या' 10 किलोग्राम का कंपोजिट LPG सिलेंडर शामिल है। इसके अलावा ग्राहक ऐप

बिना किसी पुराने कनेक्शन के भी बुकिंग कर सकेंगे

कंपनियों ने जानकारी दी है कि ग्राहकों को इंस्टामार्ट के जरिए इन गैस सिलेंडरों को खरीदने के लिए पहले से किसी भी प्रकार के घरेलू LPG गैस कनेक्शन की जरूरत नहीं होगी। यह उन लोगों के लिए बेहद सुविधाजनक होगा जो नए शहर में शिफ्ट हुए हैं या जिन्हें तुरंत गैस कनेक्शन की जरूरत है।

ऑथराइज्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स ही डिलीवरी करेंगे

इंस्टामार्ट के CEO अमितेश झा ने कहा कि क्विक कॉमर्स ऐप से बुकिंग होने के बावजूद सेफ्टी में कोई समझौता नहीं किया गया है। ग्राहकों के ऑर्डर सीधे HPCL के ऑथराइज्ड डिस्ट्रीब्यूटर नेटवर्क से पूरे किए जाएंगे। सिलेंडरों की डिलीवरी सिर्फ प्रोफेशनल डिलीवरी स्टाफ ही करेंगे, जो सभी लागू सेफ्टी और रेगुलेटरी नियमों का पूरी तरह से पालन करेंगे।

के जरिए HPCL का ट्रेडिशनल 5 किलोग्राम वाला मेटल (लोहे का) LPG सिलेंडर भी बुक कर सकेंगे।

जानिए कैसे काम करेगा ऑर्डर और रिफिल का प्रोसेस

पहला ऑर्डर: यदि कोई ग्राहक पहली बार ऐप से सिलेंडर बुक करता है, तो इसे नए सिलेंडर की खरीद माना जाएगा। पहली बार खरीदने पर ग्राहक का आईडेंटिटी वेरिफिकेशन किया जाएगा और डिलीवरी प्रूफ से जुड़े जरूरी दस्तावेज लिए जाएंगे।

रिफिल ऑर्डर: यहली बार के बाद जब भी ग्राहक दोबारा सिलेंडर बुक करेंगे, तो डिलीवरी के समय उन्हें अपना पुराना खाली HPCL सिलेंडर डिलीवर करने वाले कर्मचारी को सौंपना होगा।

डिजिटल प्लेटफॉर्म से ग्राहकों की पहुंच बढ़ेगी

HPCL के डायरेक्टर-मार्केटिंग अमित गर्ग ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म से ग्राहकों की पहुंच बढ़ेगी। इंस्टामार्ट ने ग्रांसरी से आगे बढ़कर अब ग्राहकों के रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बनने के लिए अपनी सर्विसेज का काफी विस्तार किया है। साथ मिलकर हम उसी सुविधा को एक और जरूरी घरेलू सर्विस तक पहुंचा रहे हैं।

यूरोपीय देशों को टैरिफ में राहत देगा अमेरिका

सीनेट में पेश बिल के तहत 15 यूरोपीय देशों को प्रस्तावित 100% टैरिफ से छूट दी गई है। इन देशों को राहत इसलिए दी गई है, क्योंकि ये रूस से 15% से कम प्राकृतिक गैस खरीदते हैं और धीरे-धीरे उस पर अपनी निर्भरता भी कम कर रहे हैं। डेमोक्रेट सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा कि यह बिल यूरोपीय सहयोगियों का खिलाफ नहीं है। इसका निशाना सिर्फ वे देश हैं, जो अब भी रूस के तेल कारोबार को सबसे ज्यादा आर्थिक सहारा दे रहे हैं। बिल में रूस के ऊर्जा उद्योग, वित्तीय संस्थानों, रक्षा औद्योगिक दांचे, कारोबारियों और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तक पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है।

कैपिटल हिल में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट, दोनों दलों के सीनेटर एक साथ नजर आए। उन्होंने इस बिल को ग्राहम के लिए श्रद्धांजलि बताया। यूक्रेन युद्ध की फंडिंग रोकना- अमेरिका का मानना है कि रूस को तेल-गैस बेचकर मिलने वाली कमाई यूक्रेन युद्ध का सबसे बड़ा आर्थिक आधार है।

अगर कोई डील नहीं हुई, तो पावर प्लांट और पुलों को कर देंगे तबाह

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य टकराव अब और भी गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फॉक्स न्यूज से बातचीत में खुली चेतावनी दी है कि यदि ईरान समझौता नहीं करता है, तो अगले सप्ताह से अमेरिकी हमलों का दायरा बढ़ाकर उसके बिजलीघरों और पुलों को निशाना बनाया जाएगा। अमेरिकी समाचार चैनल को दिए एक इंटरव्यू में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अगला हफ्ता ईरान के लिए बेहद खराब होने वाला है, क्योंकि अगले सप्ताह हम उनके पावर प्लांट और पुलों को निशाना बनाने जा रहे हैं।

ट्रंप ने आगे कहा कि हम उनके सभी बिजलीघरों को ठप कर देंगे। हम उनके सारे पुलों को उड़ा देंगे, बशर्ते वे बातचीत की मेज पर आने और समझौता करने के लिए तैयार न हो जाएं। डोनाल्ड ट्रंप का यह आक्रामक बयान ऐसे समय में



- ट्रंप ने ईरान को बिजलीघरों और पुलों पर हमले की धमकी दी।
- अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ हवाई हमले लगातार जारी रखे हैं।
- होर्मुज में नौसैनिक नाकाबंदी से दोनों देशों में तनाव बढ़ा।

आया है जब अमेरिकी सेना ने लगातार चौथे दिन ईरान के खिलाफ हवाई हमलों की कार्रवाई जारी रखी है। इसके साथ ही अमेरिका ने ईरान के प्रमुख बंदरगाहों की नौसैनिक नाकाबंदी भी फिर से लागू कर दी है।

सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, ईरान का बहरीन, कुवैत, जॉर्डन में अमेरिकी बेस पर अटैक

अमेरिका ने 7 घंटे तक ईरान पर बम बरसाए

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका ने मंगलवार रात लगातार चौथे दिन ईरान पर हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक, करीब सात घंटे तक चले ऑपरेशन में होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों, नौसैनिक संसाधनों और कोस्टल डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया गया। उधर, ईरान की इस्लामिक रिवालयूनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया कि उसने जवाबी अभियान शुरू करते हुए बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। IRGC ने बहरीन के अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट बेस और



जॉर्डन के अजराक एयरबेस को निशाना बनाने का भी दावा किया। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तेहरान समझौते के लिए आगे नहीं आया, तो अगले हफ्ते बिजलीघरों और पुलों को भी निशाना बनाया जाएगा। दूसरी ओर, ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुकेगा और होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी रणनीति जारी रखेगा। ईरानी सेना ने होर्मुज



अमेरिकी हमले में ईरान के 7 सैनिकों की मौत

ईरान ने दावा किया है कि दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित एक सैन्य बेरक पर अमेरिकी मिसाइल हमले में उसके 7 सैनिक मारे गए हैं।

सेना के मुताबिक, 13 मिसाइलें 388वीं ब्रिगेड की बेरक पर दागी गईं। हमले में गेस्ट हाउस, गार्ड पोस्ट और जवानों के रहने की इमारतों को निशाना बनाया गया।

स्ट्रेट से गुजर रहे दो व्यापारिक जहाजों पर हमला किया। इसमें 1 भारतीय शख्स की मौत हो गई जबकि 10 लोग

तेहरान में ट्रम्प को ताबूत में लेते हुए पोस्टर लगाया

ईरान की राजधानी तेहरान के एंगेलाब स्क्वायर में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को निशाना बनाते हुए एक नया पोस्टर लगाया गया है। ईरानी मीडिया की ओर से बुधवार को जारी तस्वीरों में दिख रहा है कि इसमें ट्रम्प को अमेरिकी झंडे में लिपटे ताबूत में लेटा हुआ दिखाया गया है। इसके ऊपर बड़े अक्षरों में लिखा है, "हम ट्रम्प को मारेंगे।"

इराक के ग्रैंड फाव पोर्ट प्रोजेक्ट में अज्ञात ड्रोन क्रैश

दक्षिणी इराक के बसरा प्रांत में स्थित ग्रैंड फाव पोर्ट प्रोजेक्ट के भीतर एक अज्ञात ड्रोन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, जबकि नुकसान सीमित रहा है। इराकी सुरक्षा सूत्र के अनुसार, ड्रोन परियोजना परिसर के अंदर गिरा। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि ड्रोन किसका था और यह दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई।

घायल हुए। जहाज पर कुल 20 भारतीय कू मंबर सवार थे।

24 घंटे में ही पलटे, ईरान ने मजाक उड़ाते हुए कहा था- हम थोड़ा कम लेंगे

ट्रम्प ने होर्मुज में 20% टैक्स का फैसला वापस लिया

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर 20% टैक्स लगाने का अपना फैसला महज 24 घंटे के भीतर वापस ले लिया।

ट्रम्प ने टुथ सोशल पर लिखा कि मिडिल ईस्ट के नेताओं के साथ बातचीत के बाद उन्होंने इसे खत्म करने का फैसला लिया है। अब इसकी जगह खाड़ी देश अमेरिका में बड़े पैमाने पर निवेश करेंगे। इससे अमेरिका में लाखों रोजगार पैदा होंगे। ट्रम्प ने सोमवार को ऐलान किया था कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से 20% टैक्स वसूला जाएगा। हालांकि इस फैसले की कई देशों ने आलोचना की थी। ईरान ने भी इस पर तंज कसते हुए कहा था



कि ट्रम्प की बात बिल्कुल सही है, लेकिन 20% टैक्स बहुत ज्यादा है। ईरान इससे कम टैक्स वसूलेगा। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान के शहरों पर 5 घंटे तक बमबारी की और बुशहर, चावहार, जास्क, कोनाक, अबू मूसा और बंदर अब्बास स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

ईरान का जवाब- सुरक्षा हम देते हैं, लेकिन 20% ज्यादा: ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ट्रम्प के बयान का जवाब देते हुए

ट्रम्प बोले- होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर 20% टैक्स अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा करेगा। इसके बदले हर कार्गो पर 20% शुल्क वसूलेगा। ईरानी जहाजों और उसके ग्राहकों पर नई पाबंदियां लागू कीं।

कहा कि सुरक्षित समुद्री रास्ता उपलब्ध कराने वाले को भुगतान मिलना चाहिए और यह जिम्मेदारी हमेशा से

ट्रम्प बोले- होर्मुज से जहाज गुजरने पर कोई टैक्स नहीं लगना चाहिए

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से किसी भी देश या संस्था को टैक्स नहीं वसूलना चाहिए। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने कहा-मुझे नहीं लगता कि किसी को भी इस रास्ते से गुजरने के लिए शुल्क लेने का अधिकार होना चाहिए।

ईरान निभाता आया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 20 प्रतिशत तो बहुत ज्यादा है। हम उचित शुल्क लेंगे। अमेरिका ने ईरान के सबमरीन और नेवल बेस पर हमला किया: CENTCOM ने बंदर अब्बास स्थित सबमरीन और नेवल मेटेन्स फैसिलिटी पर सी-ड्रोन से हमला किया। अईरान की नौसैनिक क्षमता को निशाना बनाया। अमेरिका-ईरान तनाव के बीच रूस का स्पेशल कमांड एयरक्राफ्ट Tu-214PU तेहरान पहुंचा।

शेख हसीना की वापसी के एलान के बाद आया बांग्लादेश का बयान

‘मौत की सजा पर पुनर्विचार हो सकता है’

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के ढाका लौटने के प्लान का स्वागत किया है और कहा है कि उन्हें मौत की सजा पाए दोषी के तौर पर न्याय का सामना करना होगा। 78 साल की शेख हसीना अगस्त 2024 में सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद सरकारी गिरने पर ढाका से आकर भारत में रह रही हैं।

पिछले हफ्ते हसीना के करीबी सूर्यों ने बताया कि वह अपनी अवामी लीग पार्टी को फिर से मजबूत करने के लिए इस साल के आखिर तक अपनी मर्जी से ढाका लौटने की तैयारी कर रही हैं। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते



हुए बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के सलाहकार जाहेद उर रहमान ने हसीना को चुनौती दी कि वे 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध-प्रदर्शनों पर उनकी सरकार की बेरहम कार्रवाई के कारण लगे मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों से अपना बचाव करने के लिए दुनिया के बेहतरीन वकीलों को ढाका बुलाएं। रहमान ने एक

मीडिया ब्रीफिंग में कहा, हम उनकी घोषणा का स्वागत करते हैं क्योंकि हम न्याय सुनिश्चित करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, देश के लोग चाहते हैं कि उनके अपराधों के लिए उन्हें दी गई मौत की सजा बरकरार रखी जाए और उस स्थिति में उन्हें मौत की सजा दी जाएगी, क्योंकि लोग यही देखना चाहते हैं।

अमेरिका में भारतीय गैंगस्टरों पर एक्शन

एफबीआई की लिस्ट में नीतीश कौशल मोस्ट वॉन्टेड घोषित

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने गैंगस्टर नीतीश कौशल को अपने 'मोस्ट वॉन्टेड' अपराधियों की लिस्ट में शामिल किया है। कौशल पर अमेरिका में हत्या, अपहरण और ड्रग तस्करी में शामिल होने का आरोप है और एफबीआई अब भगवानपुरिया गैंग के करीब पहुंच रही है। एफबीआई ने मंगलवार को बताया कि भारतीय नागरिक कौशल ने कथित तौर पर भगवानपुरिया ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप के लिए हिंसा की घटनाओं को अंजाम दिया, जिसमें अपहरण और मारपीट जैसी वारदातें शामिल हैं। जांच एजेंसी ने कहा, रनीतीश कौशल को एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय अपराधिक संगठन में कथित तौर पर शामिल होने के लिए वॉन्टेड



घोषित किया गया है जो हत्या, अपहरण, ड्रग तस्करी, जबरन वसूली, हथियारों की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग और मानव तस्करी जैसे अपराधों में लिप्त है। एफबीआई ने कहा कि कौशल को हथियारबंद, खतरनाक और भागने की फिराक में रहने वाला व्यक्ति माना जाना चाहिए। जांच एजेंसी ने लोगों से अपील की है कि अगर उन्हें कौशल के बारे में कोई जानकारी हो तो वे स्थानीय एफबीआई ऑफिस, अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास से संपर्क करें।

तमसा संकेत

tamsa.news@gmail.com

स्वत्वधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइरेस्ट्री प्रिंटिंग प्रेस म० न० 195 सेप्टेम्बर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ०प्र०) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लिखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो10- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96